door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 343 | गुवाहाटी | शनिवार, 13 जुलाई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

25 जून को *संविधान हत्या दिवस* मनाने का एलान पेज 2
शिमलीटोला नाव हादसा : मृतक के परिजनों से मुख्यमंत्री ने की मुलाकात पेज 3
राजस्थान विस में भाजपा विधायकों ने ही उठाए सरकार पर सवाल पेज 5
क्रेजिकोवा और पाओलिनी में होगा महिला एकल का खिताबी मुकाबला पेज 7

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

नेपाल में भूस्खलन, दो बसें नदी में बहीं, सात भारतीयों की मौत, 60 से अधिक यात्री लापता

काठमांडू(एजे/हि.स.)। नेपाल में शुक्रवार तड़के भूस्खलन की चपेट में आई 2 बसों के उफनाई नदी में बहने से उनमें सवार 60 से अधिक यात्रियों के लापता होने की खबर है। लापता यात्रियों में सात भारतीय नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, 65 यात्रियों को ले जा रही दो बसें चितवन जिले के सिमलताल इलाके में नारायणघाट-मुगलिंग मार्ग पर भूस्खलन की चपेट में आने के बाद उफनाई त्रिशूली नदी में बह गईं। इस बीच, एक अन्य घटना में कास्की जिले में गुरुवार को लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन और बाढ़ में कम से कम 11 लोगों की मौत होने की सूचना है। चितवन के मुख्य जिला अधिकारी इंद्र देव यादव ने इस हादसे की पुष्टि की। यादव ने बताया कि बीरगंज से काठमांडू जा रही एंजेल बस और राजधानी से गौर के लिए रवाना हुई गणपति डीलक्स तड़के साढ़े तीन बजे भूस्खलन की चपेट में आ गई। पुलिस के अनुसार, एंजेल बस में 24 जबकि गणपति डिलक्स में 41 यात्री सवार थे। एक खबर के मुताबिक, गणपति डीलक्स में सवार तीन यात्री बस से कूद गए, जिससे वे मलबे के साथ बहने से बच गए। पुलिस ने बताया कि बीरगंज से काठमांडू जा रही एंजेल -शेष पृष्ठ दो पर

बस चालक ने अपनी जान देकर बचाई 30 यात्रियों की जान

काठमांडू (हि.स.)। नेपाल में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात बस यात्रियों के लिए सबसे खौफनाक रात रही। भूस्खलन की चपेट में आने से जहां दो यात्री वाहन नदी में डूब गए वहीं एक ऐसी घटना सामने आई है जिसमें बस चालक ने अपनी जान देकर 30 यात्रियों की जान बचाई। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक भारी बारिश के बीच हुए भूस्खलन के कारण -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जो गलतियां नहीं करता, वह प्राय कुछ नहीं कर पाता।
- ए. जे. फेलप्स

न्यूज गैलरी

कमला हैरिस ने अचानक राहुल गांधी से की बात

नई दिल्ली। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने गुरुवार को फोन पर लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बात की। हालांकि, बातचीत के बारे में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। इस साल के अंत में अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव हैं। उससे पहले दोनों नेताओं के मध्य हुई इस बातचीत को बेहद अहम माना जा -शेष पृष्ठ दो पर

प. बंगाल को छोड़कर पूरे देश में इंडिया गठबंधन को समर्थन : ममता

मुंबई (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को मुंबई में कहा कि वे अपने गृह राज्य को छोड़कर देश भर में इंडिया गठबंधन का समर्थन करेंगी। ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में उनकी लड़ाई हमेशा सीपीएम से रही है, इसलिए वे अपने राज्य में कोई समझौता नहीं करेंगी। उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी के शादी में शामिल होने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

तिनसुकिया में गांधी प्रतिमा पर हंगामा : सीएम अनजान

भाजपा विधायक ने नई प्रतिमा लगाने का वादा किया

गुवाहाटी। असम के चाय नगरी डूमडूमा में महात्मा गांधी की 5.5 फुट ऊंची प्रतिमा को हटाए जाने से बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। छात्र नेताओं और स्थानीय निवासियों ने इस अचानक की गई कार्रवाई का विरोध किया है। तिनसुकिया जिले के गांधी चौक पर स्थित इस प्रतिमा को दो दिन पहले एक उत्खननकर्ता द्वारा हटा दिया गया था, जिसके कारण व्यापक प्रतिक्रिया हुई थी। विरोध प्रदर्शनों में सबसे आगे ऑल असम स्टूडेंट यूनियन (आसू) है, जिसने अधिकारियों पर स्थानीय समुदाय से परामर्श किए बिना घंटाघर बनाने के लिए मूर्ति को हटाने का आरोप लगाया है। आसू नेता प्रीतम नेउग ने एक राष्ट्रीय समाचार प्रसारक को बताया कि जब उन्होंने नगरपालिका बोर्ड और नगर समिति से मुलाकात की तो उन्हें बताया गया कि घंटाघर हटाने की कार्रवाई घंटाघर बनाने की योजना का हिस्सा है। आसू नेता ने कहा कि लेकिन हमारा सवाल यह है कि गांधी प्रतिमा को उखाड़ने का फैसला लेने से पहले यहां के नागरिक समाज को विश्वास में क्यों नहीं लिया गया? महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी ने भी इस कदम की आलोचना की। गांधी ने एक सोशल मीडिया वेबसाइट पर एक समाचार पत्र की कटिंग पोस्ट की और लिखा कि यह आश्चर्य की बात नहीं है कि असम की भाजपा सरकार ने डिब्रूगढ़ में बापू की प्रतिमा की जगह घंटाघर लगाने का फैसला किया। वहां गुलामी की औपनिवेशिक खुमारी अभी भी कायम है। इस बीच, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने स्थिति पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि उन्हें जिला प्रशासन द्वारा लिए गए निर्णय की जानकारी नहीं है। शर्मा ने कहा कि मुझे जिला प्रशासन द्वारा लिए गए इस निर्णय की जानकारी नहीं है। मैं तथ्यों की पुष्टि करता हूं। शर्मा ने महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी के एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया -शेष पृष्ठ दो पर

प्रज्ञान भारती चरण-1 के तहत वित्तीय अनुदान वितरित, एक लाख छात्र लाभान्वित

गुवाहाटी। असम के लगभग एक लाख छात्रों को सरकार की नीति के तहत मुफ्त उच्च शिक्षा का रास्ता मिल गया है क्योंकि राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने हाल ही में दिसपुर के जनता भवन में प्रज्ञान भारती योजना के चरण -1 के तहत 349 संस्थानों को 68.44 करोड़ रुपए वितरित किए। वर्ष 2016-17 में शुरू की गई इस अनूठी योजना से 2023-24 तक 22,30,25 छात्रों को लाभ मिला है। इस अवसर पर बोलते हुए, शर्मा ने खुलासा किया कि असम में उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात को बढ़ाने के लिए आठ साल पहले प्रज्ञान भारती योजना शुरू की गई थी। हालांकि, बाद में उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों को भी कवर करने के लिए योजना को दोहराया गया। -शेष पृष्ठ दो पर

असम में 563.67 किमी. लंबी 78 सड़कों और 14 पुलों का होगा निर्माण

नई दिल्ली (हि.स.)। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-श्री के अंतर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विकास करने की घोषणा की है। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत असम में 563.67 किलोमीटर लंबी 78 सड़कों और 14 पुलों का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना पर 378.68 करोड़ रुपए खर्च होने -शेष पृष्ठ दो पर

असम सीएम राहत कोष लूटने का प्रयास
मणिपुर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया

इंफाल। असम के मुख्यमंत्री राहत कोष में डकैती की कोशिश की जांच जारी रहने के साथ ही, इसमें जुड़े अपराधों की एक दिलचस्प तस्वीर सामने आ रही है। शुक्रवार को आई खबरों के अनुसार, मणिपुर पुलिस अब मुख्य आरोपी राकेश सिंह को हिरासत में लेने वाली है। यह मामला मूल रूप से बिहार के निवासी सिंह को मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ द्वारा कोलकाता से गिरफ्तार करने से संबंधित है, जब उन पर हिमंत विश्व शर्मा के जाली -शेष पृष्ठ दो पर

गडकरी ने भाजपा नेताओं को चेताया, कहा-
जो करेगा जाति की बात, उसे पड़ेगी कसकर लात

पणजी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता नितिन गडकरी ने जातिवाद की राजनीति को लेकर सख्त बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि जो भी देश में जाति की बात करेगा, वे उसे जमकर फटकार लगाएंगे। गडकरी ने यह भी कह दिया कि जो करेगा जाति की बात, उसे पड़ेगी कसकर लात। गडकरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने लगातार मतदाताओं का भरोसा जीता है। उन्होंने भाजपा नेताओं से यह भी कहा कि वो गलती न दोहराएं, जिस वजह से कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई है। गडकरी ने स्पष्ट रूप से कहा कि अगर हम कांग्रेस की तरह काम करते रहेंगे -शेष पृष्ठ दो पर

केजरीवाल को मिली अंतरिम जमानत लेकिन जेल से नहीं आएंगे बाहर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अंतरिम जमानत दे दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि आप सुप्रीमो ने 90 दिनों की सजा काटी है। हालांकि, केजरीवाल तिहाड़ जेल में ही रहेंगे। ईडी की ओर से उनकी गिरफ्तारी के मामले को सुप्रीम कोर्ट 3 जजों वाली बड़ी बेंच को सौंप दिया है। अरविंद केजरीवाल ने ईडी की गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई करेगी। भले ही सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत दे दी है -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर के दो दिनी दौरे पर पहुंचे सिंधिया, कहा-
इस क्षेत्र को देश की प्रगति का प्रवेशद्वार बनाना है

शिलांग (हि.स.)। केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डोनर) मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि इस क्षेत्र के साथ उनका पुराना लगाव रहा है। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री बनने के बाद पहली बार पूर्वोत्तर के दो दिवसीय दौरे के पहले दिन सिंधिया ने आज शिलांग में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास सचिवालय में एक बैठक में शामिल होने के बाद मीडिया से बातचीत की। सिंधिया ने उन्हें दी गई जिम्मेदारी के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का आभार जताया। उन्होंने कहा कि उनका संकल्प पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए पूर्वोदय के प्रधानमंत्री के सपने को साकार करना है, ताकि यह क्षेत्र देश की प्रगति का प्रवेशद्वार -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में एनडीए के सभी उम्मीदवार जीते

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र में विधानपरिषद की 11 सीटों के लिए शुक्रवार को हुए चुनाव में भाजपा नीत एनडीए के सभी 9 उम्मीदवार जीत गए हैं। महाविकास आघाड़ी के दो उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। इस चुनाव में शेतकरी कामगार पक्ष के जयंत पाटिल को हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस पार्टी के 5 विधायकों ने इस चुनाव में क्रासवोटिंग की है, जिससे महाविकास आघाड़ी (मविआ) को करारा झटका लगा है। विधान परिषद की रिक्त 11 सीटों के लिए आज सुबह से मतदान शुरू हुआ था, जिसमें 274 विधायकों ने तय समय तक मतदान किया। -शेष पृष्ठ दो पर

भारत वैश्विक संकट के बीच आजीविका संरक्षण को प्राथमिकता दे रहा है : लोस अध्यक्ष

नई दिल्ली (हि.स.)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि भारत वैश्विक संकट के बीच आजीविका संरक्षण को प्राथमिकता दे रहा है। वह रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के विखंडन को रोकने और वैश्विक संकट के परिणामों से संबंधित चुनौतियों से निपटने में संसदों की भूमिका विषय पर पूर्ण सत्र को संबोधित कर रहे थे। 10वें ब्रिक्स संसदीय मंच में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि प्रौद्योगिकीय व्यवधान तथा नियोजन और कौशल पर इसके प्रभाव की वैश्विक चुनौती को ध्यान में रखते हुए, यह आवश्यक है कि हम अल्पावधि और मध्यम अवधि में आजीविका संरक्षण को प्राथमिकता दें। उन्होंने सदस्य देशों से एकजुट होकर इन चुनौतियों से निपटने और सभी के लिए एक बेहतर और समृद्ध भविष्य के लिए कार्य करने का आह्वान किया। लोक सभा अध्यक्ष ने इस बात पर भी जोर दिया कि सीमित संसाधन -शेष पृष्ठ दो पर

कश्मीर में मंदिरों और तीर्थस्थलों की प्रॉपर्टी राज्य संरक्षित करे : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में 90 के दशक में आतंकवाद के चलते घाटी के कई मंदिरों पर कब्जा कर लिया गया था। आतंकवाद से ग्रस्त कई इलाकों में मंदिरों की जमीन को माफियाओं ने हड़प लिया था। अब जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट का बड़ा फैसला आया है। इससे अब भू-माफियाओं पर गाज गिरी है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा है कि कश्मीरी हिंदू मंदिरों, तीर्थस्थलों को राज्य द्वारा संरक्षित किया जाए। हाई कोर्ट ने अनंतनाग के उपायुक्त को रघुनाथ मंदिर और नागबल गौतम नाग मंदिर, अनंतनाग का गणेश मंदिर सहित दो मंदिरों और उनसे जुड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements à¿lease contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

25 जून को *संविधान हत्या दिवस* मनाने का एलान

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने 25 जून को *संविधान हत्या दिवस* मनाने का एलान किया है। इसको लेकर केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *एक्स* पर अधिसूचना की प्रति पोस्ट कर यह जानकारी दी। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी तानाशाही मानसिकता को दर्शाते हुए देश में आपातकाल लगाकर भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का गला घोंट दिया था। लाखों लोगों को अकारण जेल में डाल दिया गया और मीडिया की आवाज को दबा दिया गया। भारत सरकार ने हर साल 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया है। यह दिन उन सभी लोगों के विराट योगदान का स्मरण करायेगा, जिन्होंने 1975 के आपातकाल के अमानवीय दर्द को झेला था। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी एक राजपत्र अधिसूचना में कहा गया है कि 25 जून, 1975 को आपातकाल की घोषणा की गई थी, जिसके बाद तत्कालीन सरकार द्वारा सत्ता का घोर दुरुपयोग किया गया और भारत के लोगों पर ज्यादती और अत्याचार किए गए। इसमें कहा गया है कि भारत के लोगों को संविधान और इसके लचीले लोकतंत्र की शक्ति पर अटूट विश्वास है। अधिसूचना में कहा गया कि इसलिए भारत सरकार 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में घोषित करती है, ताकि आपातकाल के दौरान सत्ता के घोर दुरुपयोग के खिलाफ लड़ने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी जा सके और भारत के लोगों को भविष्य में सत्ता के ऐसे घोर दुरुपयोग का किसी भी तरह से समर्थन न करने के लिए प्रतिबद्ध किया जा सके। अमित शाह ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय का उद्देश्य उन लाखों लोगों के संघर्ष

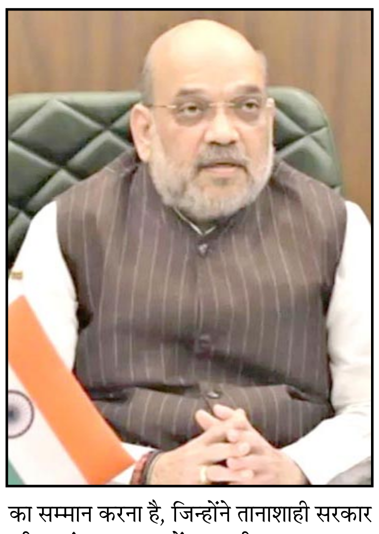

का सम्मान करना है, जिन्होंने तानाशाही सरकार की असंख्य यातनाओं व उत्पीड़न का सामना करने के बावजूद लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए संघर्ष किया। संविधान हत्या दिवस हर भारतीय के अंदर लोकतंत्र की रक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अमर ज्योति को जीवित रखने का काम करेगा, ताकि कांग्रेस जैसी कोई भी तानाशाही मानसिकता भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न कर पाए। एक और पोस्ट में गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय का उद्देश्य उन लाखों लोगों के संघर्ष का सम्मान करना है, जिन्होंने तानाशाही सरकार की असंख्य यातनाओं व उत्पीड़न का सामना करने के बावजूद लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए संघर्ष किया। संविधान हत्या दिवस हर भारतीय के अंदर लोकतंत्र की रक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अमर ज्योति को जीवित रखने का काम करेगा, ताकि कांग्रेस जैसी कोई भी तानाशाही मानसिकता भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न कर पाए।

मदरसा छात्रों को सरकारी स्कूलों में भेजना असंवैधानिक : जमीयत

लखनऊ। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने यूपी सरकार के हालिया आदेश को वापस लेने की मांग की है जिसमें निर्देश दिया गया है कि गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों में पढ़ने वाले सभी छात्रों और सरकारी सहायता प्राप्त मदरसों में पढ़ने वाले गैर-मुस्लिम छात्रों को सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। मुस्लिम संगठन ने इस आदेश को *असंवैधानिक* बताया। उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्य सचिव, दुर्गा शंकर मिश्रा ने 26 जून को राज्य के सभी जिला मजिस्ट्रेटों को जारी एक आदेश में, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के 7 जून के एक पत्र का हवाला दिया। पत्र में सरकारी वित्त पोषित मदरसों में पढ़ने वाले सभी गैर-मुस्लिम छात्रों को औपचारिक शिक्षा प्रदान करने के लिए बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में प्रवेश देने का निर्देश दिया गया है। 26 जून को जारी पत्र में यह भी कहा गया कि प्रदेश के ऐसे सभी मदरसों में पढ़ने वाले सभी बच्चों को, जो उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त नहीं हैं, उन्हें भी परिषदीय स्कूलों में प्रवेश दिया जाए। इसमें कहा गया है कि पूरी प्रक्रिया को लागू करने के लिए जिलाधिकारियों द्वारा जिला स्तर पर समितियों का गठन किया जाना चाहिए। इस बीच, जमीयत उलमा-ए-हिंद ने सरकार के आदेश को असंवैधानिक और अल्पसंख्यकों के अधिकारों का उल्लंघन करने वाली कार्रवाई करार देते हुए इसे वापस लेने की मांग की है। देश में मुसलमानों के सबसे बड़े सामाजिक संगठन जमीयत उलमा—ए—हिंद ने सरकार के इस आदेश को असंवैधानिक और अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन करने वाली कार्रवाई करार देते हुए इसे वापस लेने की मांग की है। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद के अध्यक्ष डॉक्टर इफ्तिखार अहमद जावेद ने भी इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि मदरसे में किसी भी छात्र को जबरन नहीं पढ़ाया जाता। उन्होंने कहा कि मदरसों में जो भी गैर—मुस्लिम छात्र पढ़ रहे हैं वे अपने अभिभावकों की मर्जी से ही पढ़ रहे हैं।

पूसीरे के महाप्रबंधक ने अलीपुरद्वार मंडल का सुरक्षा निरीक्षण किया

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने आज अलीपुरद्वार मंडल के अंतर्गत कोकराझाड़, फकीराग्राम, श्रीरामपुर और अलीपुरद्वार स्टेशनों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक के साथ मुख्यालय और मंडल के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। महाप्रबंधक ने रेलवे अधिकारियों से बातचीत कर उनकी सुरक्षा संबंधी सतर्कता की जांच की और रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा संबंधी विभिन्न उपकरणों का निरीक्षण किया। इसके अलावा, उन्होंने विभिन्न सुरक्षा, संरक्षा और यात्री सुविधा के क्षेत्र में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए विभिन्न स्तरों के रेलवे कर्मचारियों को सलाह दी। महाप्रबंधक ने विभिन्न स्टेशनों पर चल रहे सभी विकास कार्यों का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने कोकराझाड़ रेलवे स्टेशन, क्रू लॉबी, फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्म और अन्य यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया।

प्रदेश के रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाएगा : शिक्षा मंत्री

जयपुर (हिंस)। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा ने शुक्रवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि प्रदेश में राजकीय महाविद्यालयों में शीघ्र ही शिक्षकों के रिक्त पदों को भरा जाएगा। उन्होंने बताया कि 1 हजार 936 पदों के लिए शीघ्र ही भर्ती की जा रही है, जिससे आगामी 2 से 3 माह में रिक्त पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। उच्च शिक्षा मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा विद्या संबल योजना के तहत भी शीघ्र ही भर्ती की जाएगी, ताकि शिक्षकों की कमी को पूरा किया जा सके।

कांवड यात्रा से पहले पुलिस हुई अलर्ट

फरीदाबाद (हिंस)। आगामी 20 जुलाई से 2 अगस्त तक प्रस्तावित कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है। इसी कड़ी में शक्रवार को पुलिस अधिकारियों ने सम्बंधित रूट का निरिक्षण किया तथा यातायात के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देकर कावड़ यात्रियों का रूट निर्धारित किया गया है।

पृष्ठ एक का शेष

नेपाल में भूस्खलन, दो बसें ...

बस में सवार 21 यात्रियों का विवरण मिल गया है और इनमें सात भारतीयों के शामिल होने की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, जो भारतीय यात्री भूस्खलन की चपेट में आने के बाद लापता हो गए, उनमें से छह की पहचान संतोष ठाकुर, सुरेंद्र शाह, आदित मियान, सुनील, शाहनवाज आलम और अंसारी के रूप में की गई है। हादसे के शिकार सातवें भारतीय की शिनाख्त किया जाना अभी बाकी है। यादव ने बताया कि बचावकर्मियों ने भूस्खलन के मलबे को हटाने का काम शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल *प्रचंड* ने त्रिशूली नदी में दो बसों के बहने की घटना पर दुख जताते हुए युद्धस्तर पर तलाश एवं बचाव अभियान के निर्देश जारी किए हैं। प्रचंड ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया कि मैं देश के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ और भूस्खलन के कारण संपत्ति को पहुंचे नुकसान तथा नारायणघाट-मुगलिंग मार्ग पर बस के भूस्खलन की चपेट में आकर नदी में बहने की घटना से बहुत दुखी हूं। मैं गृह विभाग सहित सरकार की सभी एजेंसियों को यात्रियों को खोजने और बचाने का निर्देश देता हूं। प्रचंड ने बाढ़ और भूस्खलन के मद्देनजर लोगों से ऐहतियात बरतने की भी अपील की। पुलिस अधीक्षक भावेश रिमल ने बताया कि नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल के जवान बचाव अभियान के लिए घटनास्थल की ओर जा रहे हैं। विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन से आए मलबे ने नारायणघाट-मुगलिंग मार्ग पर यातायात बाधित कर दिया है। उधर नेपाल में यात्रियों से भरी दो बसों के नदी में गिरने के कारण लापता हुए करीब पांच दर्जन से अधिक लोगों की तलाश के लिए गोताखोरों को लगाया गया है। राहत व बचाव कार्य में 70 से अधिक लोगों की टीम दुर्घटनास्थल पर लगातार काम कर रही है। सशस्त्र प्रहरी बल के डिआईजी पुरुषोत्तम थापा ने बताया कि नदी में लापता हुए यात्रियों की तलाश में सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) के सात गोताखोरों को त्रिशुली नदी में उतारा गया है। उन्होंने कहा कि एपीएफ की डिजास्टर मैनेजमेंट से जुड़े 70 जवानों को भी राहत व बचाव के काम में लगाया गया है। मौसम की खराबी और रास्ता अवरुद्ध होने कारण इन जवानों को करीब 30 किलोमीटर पैदल चल कर दुर्घटनास्थल पर पहुंचने में कामयाबी मिली है। आज तड़के करीब 3 बजे काठमांडू से गौर जा रहे और बीरगंज से काठमांडू आ रहे यात्रीवाहक बसें भूस्खलन की चपेट में आकर त्रिशुली नदी में गिर गई थी। दोनों बसों पर चालक सहित कुल 65 यात्री सवार थे। इनमें से तीन यात्रियों ने कूद कर अपनी जान बचाई जबकि अन्य यात्रियों का कोई भी पता नहीं लग पाया है।

बस चालक ने अपनी ...

पहाड़ों से मलबे के साथ लगातार बड़े-बड़े पत्थर सड़क पर आ रहे थे। इसी बीच बुटवल से 30 यात्रियों को लेकर काठमांडू आ रही एक यात्री बस बीच रास्ते में नारायणगढ़ मुगलिंग के पास इन पत्थरों की चपेट में आ गई। इस बस में सवार एक यात्री ने पुलिस को बताया कि चालक 36 वर्षीय मेघराज विक की तरफ एक बड़ा पत्थर आगे वाले शीशे पर गिर गया जिसके कारण वह चालक गंभीर रूप से लहूलुहान हो गया। चालक ने तत्काल सूझबूझ दिखाते हुए बस का ब्रेक लगा दिया जिससे बस खाई में गिरने से बच गई। यात्रियों ने बताया कि बस जहां रुकी थी उसके कुछ दूरी पर उनकी आंखों के सामने पहाड़ से बहुत बड़ा मलबा गिरा जिसके कारण सड़क अवरुद्ध हो गया। बस चालक द्वारा ब्रेक लगाने के कारण किसी भी यात्री को कुछ नहीं हुआ और एक बड़ी दुर्घटना का शिकार होने से सभी बच गए। चितवन पुलिस ने बताया कि सिर पर गहरी चोट लगने और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण चालक ने अस्पताल के रास्ते में दम तोड़ दिया। चितवन पुलिस ने सभी यात्रियों को बस से उतार कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

तिनसुकिया में गांधी ...

देते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि मुझे जिला प्रशासन द्वारा लिए गए इस निर्णय की जानकारी नहीं है। मुझे तथ्यों की पुष्टि करने दें। असम महात्मा गांधी का बहुत आभारी है। जब नेहरू के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी ग्रुपिंग प्लान के तहत असम को पाकिस्तान में शामिल करना चाहती थी, तब वे भारत रत्न गोपीनाथ बरदलै के साथ मजबूती से खड़े थे। बढ़ती चिंताओं के जवाब में, डूमडूमा से भाजपा विधायक रूपेश गोवाला ने आश्वासन दिया कि गांधी की एक नई प्रतिमा बनाई जा रही है और छह महीने के भीतर उसे मूल स्थल पर स्थापित कर दिया जाएगा। नई प्रतिमा एक फुट ऊंची होगी और घंटाघर के बगल में स्थापित की जाएगी। गोवाला ने प्रेस को बताया कि क्या डूमडूमा शहर के लिए गांधी जी की पुरानी टूटी हुई मूर्ति रखना अच्छा है? हमने इसे हटाकर इसकी जगह एक ऊंची और बेहतर मूर्ति लगाई और इसके आसपास के इलाके को भी सुंदर बनाया, लेकिन कुछ लोग इस पर विवाद खड़ा करने और राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं। जैसे-जैसे स्थिति सामने आ रही है, स्थानीय समुदाय अपनी चिंताओं को व्यक्त कर रहा है तथा पारदर्शिता और महात्मा गांधी की विरासत के प्रति सम्मान की मांग कर रहा है।

प्रज्ञान भारती चरण-1 ...

उन्होंने कहा कि वर्ष 2023-24 में कुल 2,94,633 छात्र लाभान्वित हुए। उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर बात करते हुए शर्मा ने कहा कि समर्थ पोर्टल का उपयोग करके 2,28,399 छात्रों ने प्रवेश के लिए आवेदन किया और 85.2 प्रतिशत छात्रों को प्रवेश मिला। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य की शिक्षा प्रणाली में प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की बड़ी भूमिका है। इसलिए, राज्य सरकार ने समर्थ पोर्टल का उपयोग करके प्रवेश की पूरी प्रक्रिया को साफ और परेशानी मुक्त बनाने की कोशिश की है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने छात्रों के बौद्धिक विकास के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में मुफ्त नामांकन से लेकर मुफ्त साइकिल और स्कूटी वितरण से लेकर निजुट मोइना तक, इन योजनाओं ने राज्य के शैक्षणिक परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। शर्मा ने याद किया कि कैसे कॉटन कॉलेज (अब एक विश्वविद्यालय) में कुछ छात्रों को उनके कॉलेज के दिनों में फीस का भुगतान करने में वित्तीय कठिनाई का सामना करना पड़ा था। इसलिए उन्होंने बीपीएल और मध्यम आय वर्ग के परिवारों से संबंधित छात्रों के लिए एक मुफ्त प्रवेश योजना को लागू करने के लिए व्यक्तिगत पहल की। कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर, लाइब्रेरियन, ग्रेड-थ्री और ग्रेड 19 कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए पीआरसी से छूट के बारे में उच्च शिक्षा विभाग की अधिसूचना से उत्पन्न प्रतिक्रियाओं पर टिप्पणी करते हुए, शर्मा ने कहा कि पीआरसी स्थानीय लोगों के अधिकारों की रक्षा नहीं कर सकता है, क्योंकि यह तभी प्राप्त किया जा सकता है जब कोई व्यक्ति तीन साल तक असम में रहता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने चयन के लिए स्थानीय भाषा में दक्षता अनिवार्य कर दी है जिससे स्थानीय लोगों के अधिकारों और हितों की रक्षा होगी। इस अवसर पर राज्य के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु, कॉटन विश्वविद्यालय के कुलपति रमेश चंद्र डेका, बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय के कुलपति बाबूलाल आहूजा, केकेएचएसओबयू के कुलपति राजेंद्र दास, कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत और प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलपति और भट्टदेव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रहलाद जोशी, कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलपति अमलेंदु चक्रवर्ती, माधवदेव विश्वविद्यालय के कुलपति अरूप ज्योति चौधरी, माजुली संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलपति निरोदे बरुआ, बिरांगना सती साधनी राजकीय विश्वविद्यालय के कुलपति जी सिंगैया, असम महिला विश्वविद्यालय की कुलपति अजंता बोरगोहेन राजकंवर और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मणिपुर पुलिस ने ...

हस्ताक्षरों का उपयोग करके असम के मुख्यमंत्री राहत कोष से चोरी करने का प्रयास किया गया था। अब यह बात सामने आई है कि मणिपुर सीएम रिलीफ फंड से 9 लाख 92 हजार रुपए चुराने के पीछे भी यही शख्स है। आरोपी ने कथित तौर पर मणिपुर सरकार के खेल विभाग के नाम पर फर्जी चेक का इस्तेमाल कर यह रकम निकाली। जानकारी के अनुसार राकेश सिंह के साथ उसके कुछ और साथी भी थे, जिनके साथ मिलकर उसने इस लूट को अंजाम दिया। इसलिए मणिपुर पुलिस की एक टीम उसे हिरासत में लेने के लिए गुवाहाटी पहुंची। 28 जून को असम के मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ के अधिकारियों ने आरोपी सिंह को कोलकाता से पकड़ा । तभी से उन्हें असम के मुख्यमंत्री राहत कोष से पैसे चुराने की साजिश के पीछे एक बड़े गिरोह के शामिल होने का संदेह था। पिछले हफ्ते, इस मामले को देख रहे पुलिस अधिकारियों ने सिंह के अवैध स्रोतों से आने वाली काली कमाई के साम्राज्य का पर्दाफाश किया। वह या तो फर्जी जानकारी या फिर आम गरीब लोगों से चुराए गए विवरण का इस्तेमाल करके बैंक खाते खोलने में शामिल था। अधिकारियों ने बताया कि सिंह की कार्यप्रणाली में गलत जानकारी के साथ बैंक खाते खोलना और उन्हें अन्य धोखेबाजों और साइबर अपराधियों को उधार देना शामिल था, ताकि वे अपनी काली कमाई का इस्तेमाल कर सकें। सिंह ने फर्जी पहचान-पत्रों का इस्तेमाल करके बनाए गए ऐसे सैकड़ों खातों को उधार दिया है। आरोपी प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ भी लेन-देन करता था, उन्हें अवैध स्रोतों से आने वाली आय को जमा करने के लिए बैंक खाते उधार देता था। उसने कथित तौर पर कोलकाता में एक बड़ा कार्यालय स्थापित किया था, जहाँ से वह अपना नेटवर्क संचालित करता था।

असम में 563.67 किमी. ...

का अनुमान है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के मुताबिक इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क बढ़ेगा तथा दूरदराज के गांवों और शहरी केंद्रों के बीच की खाई को पाटा जा सकेगा। क्षेत्र में आर्थिक विकास, व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा मिलेगा। रोजगार के अवसर पैदा होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिलेगा। यह पूर्वोत्तर को समृद्ध बनाने और विकसित भारत के साथ उसका तालमेल बैठाने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप होगा। स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बाजार जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुंच में सुधार होगा।

जो करेगा जाति ...

तो कांग्रेस का सत्ता से बाहर जाने का कोई फायदा नहीं और हमारा सत्ता में आने का भी कोई फायदा नहीं है। आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के बहुमत हासिल न कर पाने को लेकर तरह-तरह की बातें कहीं जा रहीं थीं। गडकरी का यह बयान उन बयानों के संदर्भ में आया है। दरअसल, गडकरी गोवा के पणजी में भाजपा नेताओं की एक बैठठक को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में गोवा भाजपा अध्यक्ष सदानंद तनावड़े और मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत भी मौजूद थे। अपने 40 मिनट के संबोधन में गडकरी पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के *भाजपा अलग सोच वाली पार्टी है* वाले बयान को भी याद किया। भाजपा नेता ने कहा कि आडवाणी कहते थे कि भाजपा अलग सोच वाली पार्टी है। हम जानते हैं कि हम दूसरे दलों से कितने अलग हैं। गडकरी ने आगे कहा कि जनता ने भाजपा को इसलिए चुना है क्योंकि कांग्रेस ने गलतियां कीं थीं। उन्होंने भाजपा नेताओं को चेताया कि पार्टी इसी तरह की गलतियों को दोहरा रही है। भाजपा नेता ने कहा कि आने वाले दिनों में भाजपा नेताओं को यह समझना होगा कि राजनीति समाज और आर्थिकी में बदलाव का एक जरिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा को भ्रष्टाचार मुक्त देश बनाना है। इसके बाद गडकरी ने कहा कि महाराष्ट्र की राजनीति में जातिवाद को लेकर बहुत बयानबाजी होती हैं। गडकरी ने कहा कि मैंने तय किया है कि मैं जातिवाद की राजनीति का समर्थन नहीं करूंगा। मैंने लोगों से कहा है कि मैं जात-पात की राजनीति में नहीं उलझूंगा। गडकरी ने चेतावनी दी कि जो करेगा जाति की बात, उसे पड़ेगी कसकर लात। गडकरी ने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी व्यक्ति को उसके कामों की वजह से जाना जाता है ना कि जाति से। आपको बता दें कि महाराष्ट्र में अक्तूबर-नवंबर में 288 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव होने हैं।

केजरीवाल को मिली...

लेकिन फिर भी वह जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे। वह फिलहाल सीबीआई की कस्टडी में हैं बता दें कि उन्हें जमानत ईडी केस में मिली है। ऐसे में अभी वह जेल में ही रहेंगे। केजरीवाल को अंतरिम जमानत देते हुए कोर्ट ने कहा कि सिर्फ पूछताछ से गिरफ्तारी नहीं हो सकती है. इसके अलावा केजरीवाल के वकील विवेक जैन ने बताया कि सीबीआई मामले में 18 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। इस मामले में फैसला आने के बाद ही पता चल सकेगा कि क्या केजरीवाल बाहर आएंगे या नहीं? इस मामले को लेकर कोर्ट ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को 90 दिनों से अधिक समय के लिए जेल में रखा गया है। वह एक चुने हुए नेता हैं और वह इस पद पर रहना चाहते है या नहीं, इसका फैसला वह खुद करेंगे। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी फंडिंग को लेकर भी सवाल खड़े किए। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग कानून की धारा 19 ईडी को ये अधिकार देती है कि अगर सबूतों के आधार पर एजेंसी को लगता है कि कोई व्यक्ति मनी लॉन्ड्रिंग का दोषी है तो वो उसे गिरफ्तार कर सकती है। ऐसी गिरफ्तारी के लिए एजेंसी को बस आरोपी को कारण बताना होता है। इतना ही नहीं सुप्रीम कोर्ट से केजरीवाल को अंतरिम जमानत दिए जाने के बाद आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया पोस्ट कर सत्यमेव जयते कहा, साथ ही पार्टी के बड़े नेता संजय सिंह ने कहा कि झूठे केस लगाकर सच को कब तक कैद में रखोगे मोदी जी पूरा देश आपकी तानाशाही देख रहा है। ईडी कोर्ट हो या सुप्रीम कोर्ट सब मानते हैं कि अरविंद केजरीवाल को ईडी ने झूठा फंसाया है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला सत्य की जीत है। तानाशाही मुर्दाबाद। पहले जज न्याय बिंदु ने ईडी मामले में बेल दी, अब देश की सबसे बड़ी अदालत ने अरविंद केजरीवाल जी को अंतरिम जमानत दी। भाजपा की केंद्र सरकार को बड़ी सीख दी है न्यायालय ने। केंद्र अब भी मनमानी करेगा तो घमंड और टूटेगा। आम आदमी पार्टी के एक और बड़े नेता सौरभ भारद्वाज ने भी इस मामले को लेकर कहा कि पहले जज न्याय बिंदु ने ईडी मामले में बेल दी, अब अदालत ने अरविंद केजरीवल जी को अंतरिम जमानत दी।

इस क्षेत्र को देश...

बने, उनके सपने को वास्तविकता में बदलना है। इस बदलाव के लिए बीते 10 वर्षों से पूर्वोत्तर में योजनाओं पर व्यापक पैमाने पर धन खर्च किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के लिए बजट 24 हजार करोड़ रुपए से बढ़ाकर लगभग 82 हजार करोड़ रुपए हो गया है। इसके साथ ही बुनियादी ढांचे के दृष्टिकोण से भी इसमें काफी बदलाव आया है। चाहे वह सड़क हो, रेल हो या नागरिक उड्डयन का क्षेत्र हो, हर क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में हवाई अड्डों की संख्या 9 से बढ़कर 17 हो गई है। सिंधिया ने पूर्वोत्तर को सांस्कृतिक जीवंतता, प्राकृतिक प्रचुरता और नैसर्गिकता का भंडार बताया। उन्होंने इसे विश्व के सामने प्रदर्शित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि हमारी लुक ईस्ट नीति अब एक्ट ईस्ट नीति में बदल गयी है। पूर्वोत्तर आगे चलकर उस नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। सिंधिया आज मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड सांग्मा से भी मुलाकात करेंगे। मुलाकात के दौरान शिलांग के लिए रणनीति बनाएंगे। उन्होंने कहा कि वह शिलांग शहर के विकास के लिए भी योजना तैयार करेंगे। सिंधिया आज शिलांग में अन्य कई कार्यक्रमों में भी शामिल हुए। ज्ञातव्य है कि अपने दौरे के दूसरे दिन शनिवार को सिंधिया असम की राजधानी दिसपुर स्थित नेडफी हाउस में भी एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

महाराष्ट्र विधान परिषद...

इसके बाद मतगणना शुरू की गई। 274 विधायकों में से एक विधायक का मत सही तरीके से मतदान न करने की वजह से रद्द कर दिया गया। इसके बाद भाजपा की पंकजा मुंडे, योगेश टिलेकर, परिणय फुके, अमित गोरखे और भाजपा समर्थित सदाभाऊ खोत को विजयी घोषित कर दिया गया है। इसी तरह शिवसेना शिंदे समूह के कृपाल तुमाने और भावना गवली भी विजयी घोषित कर दिए गए हैं। राकांपा अजीत पवार के योगेश टिलेकर और शिवाजी गर्जे भी चुनाव जीत गए हैं। इस चुनाव में कांग्रेस की उम्मीदवार प्रज्ञा सातव और शिवसेना यूबीटी के मिलिंद नार्वेकर विजयी घोषित किए गए हैं। महाराष्ट्र विधान परिषद में भाजपा के पास 115 वोट थे, लेकिन भाजपा को कुल 118 वोट मिले हैं। इसी तरह राकांपा अजीत पवार के पास सिर्फ 42 वोट थे, लेकिन अजीत पवार के गुट को 47 वोट मिले हैं। कांग्रेस के पास कुल 37 वोट थे, लेकिन कांग्रेस की प्रज्ञा सातव को 25 वोट मिले। कांग्रेस के बचे 12 वोटों में से 7 वोट शिवसेना यूबीटी के उम्मीदवार मिलिंद नार्वेकर को मिले। शिवसेना यूबीटी के पास खुद के 15 वोट थे। इस तरह नार्वेकर को दूसरी पसंद के मतों के आधार पर विजयी घोषित किया गया है। कांग्रेस के 5 विधायकों ने क्रास वोटिंग की है, जो अजीत पवार के गुट के पास जाने की चर्चा की जा रही है। इसी तरह भाजपा हितेंद्र पवार की बहुजन विकास आघाड़ी के तीन मत अतिरिक्त मिलने की संभावना जताई जा रही है।

भारत वैश्विक संकट ...

होने के बावजूद भारत पर्यावरण को बचाने की दिशा में लगातार ठोस कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए लाइफ पहल के माध्यम से पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली को बढ़ावा दे रहा है। यूएनएफसीसीसी को किए गए वायदे के अनुसार भारत ने उत्सर्जन तीव्रता को कम करने, गैर-जीवाश्म ईंधन से उत्पादित विद्युत क्षमता बढ़ाने और अतिरिक्त कार्बन सिंक बनाने के अपने लक्ष्यों को पार कर लिया है। बिरला ने यह भी कहा कि जलवायु से जुड़े मुद्दों का समाधान यूएनएफसीसीसी ढांचे के भीतर रहकर किया जाना चाहिए। इस अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि हालांकि सतत विकास में पर्यावरण संरक्षण शामिल है, तथापि विभिन्न देशों के अलग-अलग आर्थिक विकास स्तरों को ध्यान में रखते हुए इस लक्ष्य को न्यायसंगत तरीके से प्राप्त करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रतिनिधियों को सचेत करते हुए कहा कि पर्यावरण संबंधी कार्रवाईयों के रूप में उचित ठहराए जाने वाले एकतरफा उपायों से व्यापार प्रभावित हो रहा है, विश्व व्यापार संगठन के नियमों का उल्लंघन हो रहा है और अंतर्राष्ट्रीय कानून, समानता और यूएनएफसीसीसी (संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन) और एनडीसी के सिद्धांत कमजोर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए पर्याप्त संसाधन आवश्यक होते हैं। विकासशील देशों को अपने विकास के लिए इनकी जरूरत होती है। इस संबंध में भारत अनुकूलन को प्राथमिकता दे रहा है और अपने एनडीसी को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। लोकतांत्रिक संस्थाओं के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने पर जोर देते हुए बिरला ने कहा कि संसदें वित्तीय और आर्थिक संप्रभुता की रक्षा के लिए कानून बनाने और अंतर्राष्ट्रीय सिफारिशों के कार्यान्वयन का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस संबंध में भारत के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय संसद विश्व व्यापार संगठन के तहत एक नियम-आधारित, भेदभाव रहित, मुक्त, निष्पक्ष, समावेशी, न्यायसंगत और पारदर्शी बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली का समर्थन करती है और अंतर-संसदीय गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेती है।

कश्मीर में मंदिरों ...

संपत्तियों का प्रबंधन तुरंत अपने हाथ में लेने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट ने सरकार से संबंधित मजिस्ट्रेटों के माध्यम से इन संपत्तियों सहित तीन और मंदिरों का भी नियंत्रण लेने के लिए कहा है। साथ ही उन सभी संपत्तियों को वापस लेने का निर्देश दिया है जिन्हें बेचा, अतिक्रमण किया या हड़पा गया है। कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति के अध्यक्ष संजय टिक्कू ने हाई कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि करोड़ों की संपत्ति अभी भी माफिया के कब्जे में है। उसे भी वापस लिया जाना चाहिए। इस आदेश को जमीनी स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। हिंदू पुजारियों ने भी हाई कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। संजय का कहना है कि संपत्ति केवल मंदिरों तक ही सीमित नहीं। मंदिरों के पास जो फल के दरख्त हैं, वह भी करोड़ों में हैं। साथ में 6 हजार के करीब पवित्र चश्मे हैं, जिनपर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। इसके लिए लंबा संघर्ष किया है। आज उनकी जीत मुमकिन लगा रही है।

कमला हैरिस ने ...

रहा है। डेमोक्रेटिक पार्टी के हलकों में चर्चा है कि भारतीय और अफ्रीकी मूल की कमला हैरिस डोनाल्ड ट्रंप को चुनौती देने के लिए मैदान में आ सकती हैं। अमेरिका में इस बात पर चर्चा हो रही है कि जो बाइडन को राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार होना चाहिए या नहीं। उधर, बाइडन ने एलान किया है कि वह दृढ़ संकल्पित हैं और फिर से चुनाव लड़ने और रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी ट्रंप को हराने के लिए फिट भी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन पर उम्र का असर दिखने लगा है। यही वजह है कि उनकी पार्टी डेमोक्रेटिक में ऐसे सांसदों की संख्या और बढ़ती जा रही है, जो बाइडन से दोबारा अमेरिका का राष्ट्रपति बनने का सपना छोड़ने की अपील कर रहे हैं। बाइडन कहना है कि वह राष्ट्रपति की रेस में बने रहेंगे। अगर बाइडन अपना नाम वापस लेते हैं तो कमला हैरिस राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बन सकती हैं।

प. बंगाल को छोड़कर ...

ममता बनर्जी दो दिवसीय मुंबई दौरे पर हैं। ममता आज बनर्जी मातोश्री बंगले पर जाकर शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से मिलीं। इसके बाद ममता बनर्जी ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए एनडीए सरकार की स्थिरता पर संदेह व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सरकार सत्ता में नहीं रह सकती। इसका कारण भविष्य में एनडीए गठबंधन को उनके ही सहयोगी दलों को संतुष्ट रखने की कसरत करनी होगी। सत्ता बनाए रखने के लिए काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि इंडिया आघाड़ी मजबूत हो, इसलिए उनकी इंडिया आघाड़ी के सहयोगी दलों के साथ चर्चा हो रही है। भविष्य की चुनावी लड़ाइयों से पहले अपने लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित किया गया। ममता बनर्जी ने कहा कि वे जब भी मुंबई आती हैं, उद्धव ठाकरे से मिलती हैं। यह मुलाकात सिर्फ पर्सनल है।

शिमलीटोला नाव हादसा : मृतक के परिजनों से मुख्यमंत्री ने की मुलाकात

नगरबेड़ा (विभास)। ग्वालपाड़ा जिले के शिमलिटोला पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कल दोपहर हुई भीषण नाव दुर्घटना में पांच डूब गए। जिसके बाद इलाके में सनसनी व्याप्त है। इस शोक व्याप्त माहौल में आज मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने नाव हादसे में मारे गए मृतक के परिवारजनों से मुलाकात की तथा स्थिति का जायजा भी लिया। मुख्यमंत्री ने इस दुख की घड़ी में शोकाकूल परिवार के साथ शोक-संवेदना प्रकट करते हुए उन्हें ढांढस बंधाए। गौरतलब है कि शिमलीटोला के नयापाड़ा (बंगलीपाड़ा) की रहने वाली एक महिला के शव का कल दोपहर एक स्थानीय श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। मिली जानकारी के अनुसार कल नाव पर कुल 23 यात्री सवार थे, जब नाव डूबने लगी तो 18 लोगों जैसे-तैसे अपनी जान बचाने में कामयाब रहे। जबकि पांच अन्य पानी में डूब गए। हादसे के तुरंत बाद लापता हुए मंजीत स्वाहा, जगत करमाकर और सुजान मालाकार के शव मिल गए हैं, जबकि बाकी दो का पता नहीं चल पाया है। इन लापता दोनों शवों खी खोजबीन आज सुबह शुरू की गई। वहीं मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना

व्यक्त की। मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमनें नियति से लड़ने की हिम्मत नहीं है। फिलहाल, हम मृतकों के परिवारों को शांत कर रहे हैं और दुख साझा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने मृतकों के परिजनों व ग्रामीणों से अपील की है कि वे दुख की इस घड़ी में परिजनों को हिम्मत दें और दुख की इस घड़ी से बाहर निकालें। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्घटना में मारे गए लोगों में से प्रत्येक के परिजनों को असम सरकार द्वारा 4 लाख रुपए की सहायता प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी मृतकों के परिवारों की मदद की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा के इस दौरे के दौरान उनके साथ साथ मंत्री अशोक सिंघल भी मौजूद थे। इसके अलावा ग्वालपाड़ा जिला आयुक्त खानींद्र चौधरी, गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्र की पूर्व सांसद क्वीन ओझा, ग्वालपाड़ा पूर्व निर्वाचन क्षेत्र के विधायक एके राशिद आलम समेत कई अन्य वरिष्ठ लोग उपस्थित थे।

नाव दुर्घटना में गायब पांच लोगों में से चार के शव बरामद

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के नवागत शिमलितोला में एसडीआरएफ ने दो और शव शुक्रवार को बरामद किया। इस प्रकार लापता हुए पांच लोगों में से चार लोगों के शव बरामद हो गए हैं। उल्लेखनीय के गुरुवार की शाम श्मशान से एक मृतक का अंतिम संस्कार करके लौटते समय नाव डूबने से पांच लोग लापता हो गए थे। दो शवों को रात को ही बरामद कर लिया गया था। शुक्रवार को सुबह से ही एसडीआरएफ और स्थानीय लोग बचाव अभियान चला रहे थे। अभियान में गौरांग मालाकार नामक एक व्यक्ति का शव सुबह करीब साढ़े सात बजे बरामद किया गया। उदय सरकार का शव काफी देर बाद बरामद किया गया। उल्लेखनीय है कि दो लोगों का शव कल बरामद किया गया था। ग्वालपाड़ा के जिला आयुक्त खनिंद्र चौधरी भी मौके पर पहुंचे। बचाव अभियान का जायजा लिया। एक ही परिवार के चार लोगों की मौत से इलाके में मातम पसरा हुआ है।

असम में बाढ़ की स्थिति में कोई बदलाव नहीं, करीब 14 लाख लोग प्रभावित

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति में सुधार के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं और शुक्रवार तक 26 जिलों के लगभग 14 लाख लोग बाढ़ से जूझ रहे हैं। इसमें कहा गया है कि ब्रह्मपुत्र सहित कई प्रमुख नदियां राज्य के विभिन्न हिस्सों में खतरे के स्तर से ऊपर बह रही हैं। इस वर्ष बाढ़, तूफान और बिजली गिरने से मरने वालों की संख्या 99 तक पहुंच गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 26 जिलों के 83 राजस्व सर्किलों और 2,545 गांवों में 13,99,948 लोग प्रभावित हैं। प्रभावित जिले हैं- कछार, बरपेटा, कामरूप, नगांव, धुबड़ी, विश्वनाथ, गोलाघाट, ग्वालपाड़ा, हैलाकांदी, शिवसागर, डिब्रूगढ़, मोरीगांव, तिनसुकिया, नलबाड़ी, धेमाजी, दक्षिण सलमारा, लखीमपुर, करीमगंज, चराइदेउ, बंगाईगांव, कोकराझार, दरंग, जोरहाट, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, माजुली और चिरांग। बुधवार तक 25 जिलों की प्रभावित आबादी 14,38,900 थी। धुबड़ी 2,41,186 लोगों के साथ सबसे अधिक प्रभावित जिला रहा, इसके बाद कछार (1,60,889) और दारांग (1,08,125) का स्थान रहा। वर्तमान में 41,596 विस्थापित लोग 189 राहत शिविरों में शरण ले रहे हैं, जबकि अन्य 110 राहत वितरण केंद्रों पर 72,847 लोगों को सहायता दी जा रही है। एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन सहित कई एजेंसियां राहत और बचाव कार्यों में लगी हुई थीं। ब्रह्मपुत्र नदी निमातीघाट, तेजपुर और धुबड़ी में खतरे के स्तर से ऊपर बह रही है, जबकि बुढ़िदीहिंग नदी खोवांग में, नांगलमुराघाट में दिसांग और करीमगंज में कुशियारा में खतरे के निशान से ऊपर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न प्रभावित जिलों से मकान, पुल, सड़क और तटबंधों सहित विभिन्न बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की खबर है।

मृत अवस्था में पाया गया जंगली हाथी

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के मार्घेरिटा के दो नंबर माकूमपथार इलाके में एक जंगली हाथी मृत अवस्था में पाया गया। मार्घेरिटा आंचलिक वन विभाग के रेंजर ने बताया कि आज सुबह जिले के मार्घेरिटा के दो नंबर माकूमपथार इलाके में जंगली हाथी की मौत की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने चिकित्सकों की मदद से हाथी का पोस्टमार्टम कर घटनास्थल के करीब ही दफना दिया। हालांकि, हाथी की मौत कैसे हुई इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही जंगली हाथी की मौत की असली वजह का पता चल पाएगा। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि इलाके में जंगली हाथी पिछले कई दिनों से खाद्य की तलाश में आकर घरों को नुकसान पहुंचा रहा था। इससे पहले भी इस इलाके में जंगली हाथी मृत अवस्था में मिला था। स्थानीय लोगों ने आशंका व्यक्त किया है है कि जंगली हाथी के उपद्रव से बचने के लिए किसी ने जंगली हाथी को खाने के समान में जहर मिलाकर दिया होगा। जिसकी वजह से जंगली हाथी की मौत हुई है।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में बाढ़ से हालत गंभीर, अब तक 174 जानवरों की मौत

गोलाघाट (हिंस)। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। बाढ़ के कारण इस वर्ष अब तक 10 एक सींग वाले दुर्लभ प्रजाति के गैंडों और 153 हिरणों समेत कुल 174 जानवरों की मौत हो चुकी है। वन कर्मियों ने अब तक 135 जानवरों को बचाया बचाया है। काजीरंगा अभयारण्य 1,090 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें अनेक प्रकार की दुर्लभ एवं विलुप्त प्रजातियां निवास करती हैं। इन वन्य प्राणियों को देखने के लिए देश-विदेश से लाखों पर्यटक यहां आते हैं। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भूटान के राजा काजीरंगा में आकर ठहर चुके हैं, लेकिन प्रत्येक वर्ष बाढ़ के कारण काजीरंगा की स्थिति गंभीर हो जाती है और वन्य प्राणी संकट में पड़ जाते हैं। हालांकि, सरकार ने बाढ़ के समय वन्य प्राणियों के रहने के लिए कई हाइलैंड बनाये हैं।इसके बावजूद बाढ़ से काजीरंगा को हर साल व्यापक नुकसान होता है। 2017 के बाद इस बार सबसे अधिक बाढ़ काजीरंगा में दर्ज की गई है। यही वजह है कि इस वर्ष सबसे अधिक जानवरों की मृत्यु हुई है।

श्रीरामपुर में ट्रक जब्त, भारी मात्रा में गांजा बरामद

कोकराझाड़ (हिंस)। गोसाईगांव में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बीती रात महकमा पुलिस अधिकारी हीरेन कुमार डेका के नेतृत्व में और शिमलटापु पुलिस चौकी के प्रभारी संजय कुमार राय के सहयोग से राष्ट्रीय राजमार्ग-127 के असम-बंगाल सीमा श्रीरामपुर में अभियान चलाकर गुवाहाटी से बिहार की ओर जा रहे ट्रक की तलाशी लेते हुए भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ट्रक सहित 313 किलोग्राम गांजा जब्त कर ट्रक के चालक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने ट्रक (पीबी-06एटी-7707) को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया। चालक की पहचान गणेश मुसाहारी के रुप में किया गयी। ज्ञात हो कि जब्त गांजे को ट्रक के ऊपरी हिस्से में बने चैंबर से बरामद किया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अवध असम एक्स. के पैंट्री कार स्टाफ के दुर्व्यवहार के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई

गुवाहाटी (हिंस)। 11 जुलाई को अवध असम एक्सप्रेस की पैंट्री कार से कचरे के गैर-जिम्मेदाराना निपटान को उजागर करने वाले एक चिंतित नागरिक द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई एक वीडियो शिकायत के बाद तिनसुकिया डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) ने तुरंत निर्णायक कार्रवाई की। शिकायत प्राप्त होने पर अवध असम एक्सप्रेस के रखरखाव और परिचालन अखंडता के लिए जिम्मेदार तिनसुकिया डिवीजन के डीआरएम ने तुरंत भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के साथ समन्वय करके संबंधित लाइसेंसधारी के खिलाफ 15 हजार रुपए का भारी जुर्माना लगाया। इसके अतिरिक्त, सभी ट्रेनों में स्वच्छता प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए एक सख्त चेतावनी जारी की गई। इसके अलावा, ईस्ट सेंट्रल रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के साथ मिलकर, जहां यह घटना हुई, इस दुर्व्यवहार के लिए जिम्मेदार संविदा कर्मचारियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए त्वरित कार्रवाई की गई। संबंधित पैंट्री कार कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया गया है, तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने और भविष्य में इस तरह के व्यवहार को रोकने के लिए रेलवे अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। भारतीय रेलवे सभी ट्रेनों में स्वच्छता और परिचालन अनुशासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। यात्रियों और हितधारकों को तत्काल निवारण के लिए ऐसी किसी

भी घटना की रिपोर्ट करना जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जो सभी के लिए स्वच्छ और सुरक्षित यात्रा वातावरण सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

चार जिंदा कारतूस समेत हस्तनिर्मित पिस्तौल बरामद एक गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। बटद्रवा के बरभेटी में पुलिस अभियान में चार कारतूस के साथ एक हस्तनिर्मित पिस्तौल बरामद किया गया है। अभियान के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बटद्रवा पुलिस ने बटद्रवा बरभेटी गांव के जियाउर रहमान नामक व्यक्ति के पास से यह पिस्तौल बरामद किया है। गिरफ्तार जियाउर रहमान ने डिमापुर से पिस्तौल खरीदी है।

हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

तिनसुकिया (हिंस)। काकोपथार पुलिस ने हेरोइन के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान गंधेईगुड़ी हांहखाटी निवासी गोपेन मोरान के रूप में हुई है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 21 ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त किया है।

असम पुलिस का पेशेवर परीक्षण और वार्ता सत्र आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस द्वारा शुक्रवार को राजधानी के पंजाबारी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र अंतरराष्ट्रीय प्रेक्षागृह में पेशेवर परीक्षण और वार्तालाप सत्र आयोजित किया गया। सत्र में 746 नवनियुक्त पुलिस अधिकारियों ने लिया हिस्सा। बाद में सोशल मीडिया के जरिए असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री की इच्छा के अनुसार हमने आज कलाक्षेत्र में पिछले दो बैचों के एसआई परिवीक्षार्थियों के साथ एक पेशेवर परीक्षण और वार्तालाप सत्र आयोजित किया। इसमें कुल 746 एसआई ने भाग लिया। डीजीपी, एसडीजीपी, एडीजीपी एसबी, सीआईडी, वीएंडएसी और आईजीपी प्रशासन, टीएंडएपी और एमपीसी ने सत्र को संबोधित किया। यह एक उपयोगी वार्तालाप सत्र था, जिसमें पेशेवर, नैतिक, व्यावहारिक और लोगों से जुड़े

मुद्दों पर जोर दिया गया। यह नियमित मूल्यांकन और सुधार का एक अभ्यास है।

कैफे बी-यू फ्राइडे डिनर फिस्ट में आपके लिए पेश कर रहा है भारतीय स्ट्रीट फूड का स्वाद

गुवाहाटी। इस जुलाई में, रेडिसन ब्लू गुवाहाटी के कैफे बी-यू ने मेहमानों को फ्राइडे डिनर फीस्ट-स्ट्रीट फूड ऑफ इंडिया के माध्यम से भारत की सड़कों पर अक्सर देखे जाने वाले आकर्षक व्यंजनों का स्वाद लेने के लिए आमंत्रित किया है। जुलाई में हर शुक्रवार शाम को आयोजित होने वाला यह विशेष कार्यक्रम देश भर की सड़कों पर आसानी से उपलब्ध व्यंजनों का स्वादिष्ट शैली पेश करेगा। शाम 7 बजे से रात 11.30 बजे तक, कैफे बी-यू पूरी तरह से एक लाइव काउंटर और प्रामाणिक स्ट्रीट फूड माहौल के साथ एक हलचल भरे स्ट्रीट फूड स्थल में बदल जाएगा। मेहमानों को विभिन्न प्रकार के लोकप्रिय स्ट्रीट फूड विकल्पों का आनंद लेने का अवसर मिलेगा, जिनमें से प्रत्येक को भारत की पाक

विरासत के अद्वितीय स्वाद और परंपराओं को प्रतिबिंबित करने के लिए तैयार किया गया है। प्रति व्यक्ति 1999+ शुल्क की कीमत पर, यह आयोजन खाने के शौकीनों को दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, लखनऊ और कई अन्य स्थानों के प्रामाणिक स्ट्रीट फूड का स्वाद सहित एक स्वादिष्ट आनंद देने का वादा करता है। मसालेदार चाट और खट्टे गोलगप्पे से लेकर स्वादिष्ट कबाब और मीठी जलेबियों तक, सर्वश्रेष्ठ भारतीय स्ट्रीट फूड को प्रदर्शित करने के लिए मेनू को सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। ताजगी और अद्वितीय भोजन अनुभव सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक व्यंजन सीधे काउंटर पर तैयार किया जाएगा। भारतीय स्ट्रीट फूड के समृद्ध और विविध स्वाद का आनंद लेने का यह अवसर न चूकें। परिवार और दोस्तों के साथ स्वादिष्ट भोजन, जीवंत वातावरण और गर्मजोशी भरे आतिथ्य से भरपूर एक यादगार शाम का आनंद लेने के लिए तैयार हो जाइए।

मुनिवृंद का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश कल

गुवाहाटी। आचार्य महाश्रमण के सुशिष्य मुनि प्रशांत कुमार, मुनि कुमुद कुमार गुवाहाटी तेरापंथ धर्मस्थल में 14 जुलाई को प्रात: 8:05 बजे चातुर्मासिक मंगल प्रवेश करेंगे। जैन मुनि पदयात्रा के माध्यम से जन-जन में नैतिकता, अहिंसा, प्रामाणिकता, नशामुक्ति, जैनत्व, श्रावकत्व एवं सद्संस्कार के भाव को पुष्ट करते हैं। जैन मुनि आत्मसाधना करते हुए मानवजाति के कल्याण के लिए प्रवचन के माध्यम से सुसंस्कारी जीवन जीने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। चार महीने ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप की आराधना चार तीर्थ करता है। गुवाहाटी में छह साल के बाद संतों का चातुर्मास होने जा रहा है। श्रावक समाज में जागृति का माहौल है। धर्मसंघ की सभी संस्थाओं के कार्यकर्ता अपने-अपने दायित्व के प्रति जागरूक रहकर

चातुर्मास की तैयारी में जुटे हैं। श्रावक समाज में मुनिवृंद के चातुर्मास के प्रति खुशी का माहौल है। मुनि प्रशांत कुमार, मुनि कुमुद कुमार ने तेरापंथ धर्मस्थल में प्रवेश से पूर्व नगर के विभिन्न क्षेत्रों की सार-संभाल की, जिससे समाज में विशेष जागृति आई है। मुनि प्रशांत कुमार, मुनि कुमुद कुमार केदार रोड स्थित महेंद्र कुमार महनोत के निवास स्थान से ठीक प्रात: 7:30 बजे प्रस्थान कर 8:05 बजे तेरापंथ धर्मस्थल में मंगल प्रवेश करेंगे तथा तेरापंथ श्रावक समाज मुनिवृंद का स्वागत-अभिनंदन एवं आचार्य श्री महाश्रमणजी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करेंगे।

रंगिया में दो दिनों में दो शव बरामद

कामरूप (हिंस)। रंगिया में दो दिनों में दो शव बरामद किया गया है। पहला शव रंगिया के वार्ड नंबर 2 इस्लामपुर में नगरपालिका बाजार के पीछे मिला। ड्रेस में काले रंग की हाफपैंट पहने व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि लोगों ने शव देखा और रंगिया पुलिस को सूचित किया। रंगिया पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जीएमसीएच भेज दिया। रंगिया के बंगालीकुची में राजमार्ग संख्या-27 पर एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव को रंगिया थाने लाकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे में मारे गए लोगों की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

एनएफ रेलवे प्रबंधक ने कोकराझाड़ और फकीराग्राम रेलवे स्टेशन समेत अस्पताल और रेलवे कॉलोनियों का जायजा लिया

कोकराझाड़ (विभास)। एनएफ रेलवे के प्रबंधक (जीएम) चेतन कुमार श्रीवास्तव ने आज कोकराझाड़ और फकीरागराम रेलवे स्टेशन, रेलवे अस्पताल और रेलवे कॉलोनियों का दौरा किया। सबसे पहले उन्होंने कोकराझाड़ रेलवे का जायजा किया। इसके बाद उन्होंने स्टेशन मास्टर के कार्यालय का जायजा लिया तथा रिकॉर्ड चेक किए। इसके बाद उन्होंने फकीराग्राम रेलवे स्टेशन पहुंचे जहां स्टेशन मास्टर मुख्तार आलम, स्टेशन स्टॉफ और बुकिंकर्मी समेत सभी ने उनका फूलाम गामोछा से स्वागत किया। इस दौरान जीएम ने फकीराग्राम रेलवे स्टेशन का जायजा भी लिया। इसके बाद उन्होंने रेलवे अस्पताल पहुंचे जहां सभी प्रकार की स्थितियों का जायजा लिया। इस दौरान अस्पताल के डॉक्टर और स्टाफ को पुरस्कृत किए गए। इस पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में जीएम चेतन कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आज हमने कोकराझाड़-फकीराग्राम रेलवे स्टेशन

का जायजा लिया तथा जहां-जहां कमी है वहां उसी हिसाब से पूरा करने का भरोसा दिया। अंत फकीराग्राम रेलवे स्टेशन पर कुछ ट्रेनों की ठहराव को लेकर चिंता किए गए। वहीं यात्रियों को रेलवे स्टेशन जाने वाले दोनो तरफ रोड बनाए जाने की भी बात कही।

संपादकीय

दोस्ती जिंदाबाद

यह 'परम दोस्ती' प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ही नहीं है। यह दोस्ती गंगा और वोल्गा नदियों की दो संस्कृतियों के बीच है। यह दोस्ती भारत और रूस के जन-जन की है। यह दोस्ती उन रूसी युवतियों में भी निहित है, जो कत्थक, ओडिशी, भरत नाट्यम सरीखे भारतीय शास्त्रीय नृत्य सीख रही हैं और नृत्य से पहले घुंघरुओं को आंख और मस्तक से छुआती हैं। नमन और सम्मान की अभिव्यक्ति करती हैं। यह दोस्ती की मिसाल ही है कि 1951 की फिल्म 'श्री 420' का गीत '**...**सर पे लाल टोपी रूसी**...**' आज की रूसी पीढ़ी भी गुनगुनाती है। फिल्मों ने भारत-रूस की संस्कृति का मिलन कराया है और उन्हें विस्तार दिया है। इससे गहरी दोस्ती और क्या होगी कि रूसी भाषा का जुड़ाव और कुछ उद्गम संस्कृत भाषा से है। आज भी संस्कृत मूल के ढेरों शब्द रूस में इस्तेमाल किए जाते हैं। दरअसल भारत और रूस की दोस्ती वक्त और विश्वास की कसौटी पर जांची-परखी है। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि जब भी 'रूस' शब्द सामने आता है, तो उसके मायने होते हैं-सुख-दुख का साथी। रूस ने युद्ध काल में भी इस दोस्ती को साबित किया है। भारत की सामरिक शक्ति के अस्त्रों-शस्त्रों, मिसाइल, एयर डिफेंस, यानी हथियारों की 60-70 फीसदी ताकत 'रूसी' ही है और वह सौ फीसदी भरोसेमंद साबित हुई है। भारत की परमाणु ऊर्जा का आधार ही रूसी रिएक्टर हैं। रूस ऐसे 6000 मेगावाट के रिएक्टर भारत में स्थापित करेगा। अब दोस्ती यहां तक परवान चढ़ चुकी है कि दोनों देशों के रक्षा वैज्ञानिक साझा शोध करें और आधे-आधे उपक्रम दोनों देशों में स्थापित किए जाएं। रूस ने भारत को आश्वस्त किया है कि जो प्रौद्योगिकी उसे दी जाएगी, वह अन्य किसी देश के साथ साझा नहीं की जाएगी। भारत की सुरक्षा और दोस्ती जिंदाबाद**...**! अब प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन मॉस्को में 17वीं बार मिले हैं। प्रधानमंत्री 10 साल के कार्यकाल में 6 बार रूस गए हैं और पुतिन 4 बार भारत आए हैं। वैसे यह मुलाकात भारत-रूस के 22वें सालाना शिखर सम्मेलन का हिस्सा थी। यह दोस्ती की वजह से ही संभव हो सका कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'परम मित्र' पुतिन के सामने बैठकर यूक्रेन युद्ध का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जब मासूम बच्चों को मरते हुए देखते हैं, तो दिल छलनी हो उठता है और वह दर्द बड़ा भयानक होता है। प्रधानमंत्री ने 'दोस्त पुतिन' को एक बार फिर सलाह दी कि युद्ध से कोई समाधान नहीं निकला करता। बातचीत से ही शांति, स्थिरता के रास्ते खुलते हैं। इस दोस्ताना सलाह के मायने स्पष्ट थे और राष्ट्रपति पुतिन ने इस नेक सलाह और कोशिश के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने उन भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश भेजने का आश्वासन भी राष्ट्रपति पुतिन से ले लिया, जिन्हें बरगला कर रूसी सेना में शामिल करा दिया गया था और वे यूक्रेन के मोर्चे पर जंग का हिस्सा रहे हैं। ऐसे भारतीयों की संख्या 35 से 50 बताई गई है। ऐसे आश्वासन 'दोस्ती' के चलते ही संभव हैं। अलबत्ता किसी भी देश के शीर्ष नेता सेना के मामले में हस्तक्षेप नहीं करते। बहरहाल दोनों 'परम मित्रों' ने 2030 तक द्विपक्षीय कारोबार 100 अरब डॉलर से अधिक करने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल यह कारोबार 65 अरब डॉलर का है। यह दोस्ती की ही दरकार थी कि राष्ट्रपति पुतिन ने अपने निजी आवास पर रात्रि भोज के लिए प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया। दोनों दोस्तों ने 4-5 घंटे तक खूब बातें कीं। जाहिर है कि द्विपक्षीय के अलावा अंतरराष्ट्रीय संदर्भों में भी बातचीत हुई होगी! उनके साथ सिर्फ दो दुभाषिए थे। कोई मंत्री, कोई अधिकारी और अन्य कर्मचारी मौजूद नहीं थे। यह दोस्ती का अपनापन भी था और संवाद की गोपनीयता भी जरूरी थी। भारत-रूस के शीर्ष नेताओं की मुलाकात और बातचीत पर अमरीका समेत नाटो के 32 सदस्य देशों की भी निगाहें टिकी थीं। बहरहाल रूस से हमारी वार्ता पर यूक्रेन की तीखी प्रतिक्रिया आई है।

प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ही नहीं है। यह दोस्ती गंगा और वोल्गा नदियों की दो संस्कृतियों के बीच है। यह दोस्ती भारत और रूस के जन-जन की है। यह दोस्ती उन रूसी युवतियों में भी निहित है, जो कत्थक, ओडिशी, भरत नाट्यम सरीखे भारतीय शास्त्रीय नृत्य सीख रही हैं और नृत्य से पहले घुंघरुओं को आंख और मस्तक से छुआती हैं। नमन और सम्मान की अभिव्यक्ति करती हैं। यह दोस्ती की मिसाल ही है कि 1951 की फिल्म 'श्री 420' का गीत '...सर पे लाल टोपी रूसी...' आज की रूसी पीढ़ी भी गुनगुनाती है। फिल्मों ने भारत-रूस की संस्कृति का मिलन कराया है और उन्हें विस्तार दिया है। इससे गहरी दोस्ती और क्या होगी कि रूसी भाषा का जुड़ाव और कुछ उद्गम संस्कृत भाषा से है। आज भी संस्कृत मूल के ढेरों शब्द रूस में इस्तेमाल किए जाते हैं। दरअसल भारत और रूस की दोस्ती वक्त और विश्वास की कसौटी पर जांची-परखी है। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि जब भी 'रूस' शब्द सामने आता है, तो उसके मायने होते हैं-सुख-दुख का साथी। रूस ने युद्ध काल में भी इस दोस्ती को साबित किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस रूस यात्रा को लेकर पश्चिमी देशों ने विरोध जताया है

भारत-रूस मित्रता को जीवंतता देने का सार्थक प्रयास

ललित गर्ग

भारत-रूस की मैत्री अक्षुण्ण है और किसी भी तरह के दुनिया के दबाव में यह दोस्ती कमजोर नहीं पड़ने वाली है। भारत ने जहां मैत्री को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, वहीं अपने मित्र देश को युद्ध के खिलाफ और शांति के पक्ष में अपना स्पष्ट रुख भी जताया है।

भारत-रूस की मैत्री को नये आयाम देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राष्ट्रपति पुतिन ने न केवल मैत्री के धागों एवं द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूती दी है, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को नये शिखर देने का प्रयास किया है। उनकी यह यात्रा दोनों देशों के लिये एक नए सोच के साथ नये सफर का आगाज है। एक ऐसे समय में, जबकि यूक्रेन-रूस युद्ध को पश्चिमी देशों के विरोध के कारण रूस दुनिया में अलग-थलग है, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में पहले विदेश यात्रा के लिये रूस का चयन करके जता दिया है कि भारत-रूस की मैत्री अक्षुण्ण है और किसी भी तरह के दुनिया के दबाव में यह दोस्ती कमजोर नहीं पड़ने वाली है। भारत ने जहां मैत्री को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, वहीं अपने मित्र देश को युद्ध के खिलाफ और शांति के पक्ष में अपना स्पष्ट रुख भी जताया है। मोदी की इस यात्रा की एक बड़ी निष्पत्ति यह है कि रूस में अब दो नये वाणिज्यिक दूतावास खुलने जा रहे हैं, जिससे हमारी आर्थिक गतिविधियां तेजी से एवं ज्यादा बढ़ेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस रूस यात्रा को लेकर पश्चिमी देशों ने विरोध जताया है। लेकिन प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि भारत के लिए रूस की मैत्री बहुत महत्वपूर्ण है। भारत अपने मैत्री-मूल्यों को किसी भी दबाव में कमतर नहीं होने देगा। भले ही यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इस यात्रा पर अपनी निराशा जाहिर करते हुए इसे शांति प्रयासों को झटका तक बता चुके हो या अमेरिका ने भी यात्रा को लेकर अपनी चिंता जता दी हो। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अपनी युद्ध विरोधी सोच के चलते ही यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस नहीं गए थे। दोनों देशों के बीच होने वाली सालाना द्विपक्षीय शिखर बैठक भी 2022 के बाद से नहीं हो पाई थी। इससे रूस के कुछ हलकों में यह धारणा बनने लगी थी कि भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रभाव में रूस से दूरी बनाए रखना चाहता है। दुनिया में बन

रही इस नई धारणा को तोड़ना जरूरी था, इसी दृष्टि से इस यात्रा के पीछे जहां द्विपक्षीय रिश्तों को संदेहों और अविश्वासों से मुक्त करने का ध्येय था, वहीं अंतरराष्ट्रीय हलकों में यह स्पष्ट संदेश भेजना था कि भारत को किसी तरह के दबाव के जरिए इस या उस पक्ष में झुकाना संभव नहीं है। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने भी राष्ट्रपति पुतिन के साथ बातचीत में इसका जिक्र किया कि उनके रूस आने पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हैं। दुनिया भर में इस यात्रा को गहरी उत्सुकता से देखा जा रहा है। मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात को ध्यान में रखें तो यह कोई अचरज वाली बात भी नहीं है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों का जोर इस बात पर रहा है कि भारत रूस से अपनी करीबी खत्म करे। भारत अब एक स्वतंत्र ताकत है, दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, बड़े शक्तिशाली देशों के लिये भी भारत एक बाजार है। इसलिये भारत किसी भी दबाव में न आते हुए शुरू से ही यह स्पष्ट कर रखा है कि वह अपने राष्ट्रहित पर आधारित स्वतंत्र विदेश नीति पर कायम रहेगा। रूस समर्थकों ने भले ही यह दर्शाना चाहा हो कि मोदी की यात्रा से भारत ने पश्चिम को चुनौती दी है और इससे पश्चिमी देश 'ईर्ष्या से जल रहे हैं', परंतु असल में भारत ऐसा कोई मंतव्य नहीं रखता है। यह यात्रा अनेक कारणों एवं दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण रही, यात्रा के दौरान दोनों देशों में सहयोग बढ़ाने के समझौते तो हुए ही, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मित्र राष्ट्र को मैत्रीपूर्ण सलाह देते हुए पूरी बेबाकी से कहा, 'युद्ध के मैदान से कोई हल नहीं निकलता।' यह प्रधानमंत्री मोदी का वैसा ही बयान है जैसा दो साल पहले समरकंद में पुतिन से बातचीत के दौरान उन्होंने दिया था कि 'यह युद्ध का दौर नहीं है'। असल में भारत हमेशा से शांति के उजालों एवं युद्ध के अंधेरों से मुक्ति का ही समर्थक रहा है। भारत की स्पष्ट मान्यता है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। भारत ने बम-बंदूक के बजाय शांति-वार्ता के जरिये समाधान की बात दोहराई। मोदी ने साहस एवं निर्भयता से पुतिन को दो टूक कहा था कि यह युग युद्ध का नहीं। चूंकि भारतीय प्रधानमंत्री की मास्को यात्रा के मौके पर ही रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव में बच्चों के अस्पताल को भी निशाना बनाया, इसलिए उन्होंने बिना किसी संकोच यह भी कह दिया कि युद्ध या संघर्ष अथवा आतंकी हमलों में जब मासूम बच्चों की मौत होती है तो हृदय छलनी हो जाता है। देखना यह है कि यूक्रेन युद्ध पर भारतीय प्रधानमंत्री की फिर से खरी बात पर रूसी राष्ट्रपति कितना ध्यान देते हैं, लेकिन भारत को रूस के साथ अपनी मित्रता जारी रखते हुए यह स्पष्ट करते रहना होगा कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को यथाशीघ्र समाप्त होते हुए देखना चाहता है। यह केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व शांति के भी हित में है। इसी के साथ भारत ने अपने मित्र देश को अपनी तकलीफ को साझा करते हुए यह एहसास दिलाने की भी कोशिश की गई कि चीन के साथ उसकी नजदीकी परोक्ष रूप से पाकिस्तान को उत्साहित करती है, जो भारतीय जमीन पर आतंकी गतिविधियों को खाद-पानी मुहैया कराने का काम करता है। रूस भारत के सहयोग के लिये तत्पर रहता है, इसबार भी यह खबर भी सुकून देने वाली है कि रूस ने भारत के आग्रह पर न केवल रूसी सेना के सपोर्ट स्टाफ के रूप में भारतीयों की नियुक्ति रोकना स्वीकार कर लिया है बल्कि नियुक्त किए जा चुके युवाओं को स्वदेश भेजने पर भी मान गया है।

दृष्टि कोण

समस्याओं को आमंत्रित करती बढ़ती जनसंख्या

जब दुनिया की आबादी पांच अरब लोगों की हो गई थी। भारत में आजादी के समय कुल जनसंख्या 33 करोड़ थी जो 2011 की जनगणना के मुताबिक बढक़र 125 करोड़ पहुंच गई थी। कोरोना महामारी के चलते 2021 की जनगणना का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया था। डिजिटल पॉपुलेशन क्लॉक के अनुसार 05 जुलाई 2024 को भारत की जनसंख्या 1452962421 थी, जिसमें 750202835 पुरुष आबादी (51.6 फीसदी), महिला जनसंख्या 702759539 करोड़ (48.4 प्रतिशत) थी और विश्व की कुल जनसंख्या 8119703999 थी। इंडिया स्टेट डॉट कॉम के अनुमान के अनुसार 2030 तक भारत की कुल जनसंख्या 153 करोड़ और 2050 तक 168 करोड़ तक पहुंच जाएगी। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी आबादी और दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश चीन ने लंबे समय तक एक बच्चा पैदा करने की नीति को सख्ती से लागू किया हुआ था। लगभग 143 करोड़ की आबादी वाले देश चीन में अब वहां की कम्युनिस्ट सरकार ने 3 बच्चों को अपनाने की नीति की घोषणा की है। चीन जहां अपने यहां बढ़ती बूढ़ी आबादी और कम होती युवा श्रम शक्ति से परेशान है, तो वहीं भारत की 65 फीसदी युवा आबादी जहां भारत का संबल है, तो वहीं देश में बढ़ती बेरोजगारी जैसी बड़ी चुनौती का पर्याय भी है। भारत की बढ़ती जनसंख्या का असर वैश्विक भूख सूचकांक-2023 (ग्लोबल हंगर इंडेक्स) की रिपोर्ट में भी देखा जा सकता है, जिसमें 125 देशों की सूची में भारत 111वें स्थान पर है और भूख की 'गंभीर' श्रेणी में है। इस इंडेक्स में भारत के पड़ोसी देशों- पाकिस्तान (102वें), बांग्लादेश (81वें), नेपाल (69वें) और श्रीलंका (60वें) ने भारत से बेहतर स्थान हासिल किया है। विशेषज्ञों ने इसके लिए खराब कार्यान्वयन प्रक्रियाओं, प्रभावी निगरानी की कमी, कुपोषण से निपटने का उदासीन दृष्टिकोण और बड़े राज्यों के खराब प्रदर्शन को दोषी ठहराया है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार भारत की 14 फीसदी आबादी कुपोषण की शिकार है। वैश्विक भूख सूचकांक में देशों को चार प्रमुख संकेतकों के आधार पर रैंकिंग दी जाती है- अल्पपोषण, बाल मृत्यु, पांच साल तक के कमजोर बच्चे और बच्चों का अवरुद्ध शारीरिक विकास। बढ़ती आबादी के पीछे अशिक्षा, अंधविश्वास, परिवार नियोजन के तौर-तरीकों में जागरूकता का अभाव और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही जैसे बुनियादी कारण हैं। जनसंख्या वृद्धि के कारण नई पीढ़ी को भविष्य के लिए बुनियादी जरूरतों और सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ेगा। आज भी भारतीयों को बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट, भुखमरी, चिकित्सा सुविधाओं, कुपोषण, स्वच्छ पेयजल की कमी, बिजली-पानी के संकट और गरीबी से बुरी तरह से जूझना पड़ रहा है। इसके अलावा ग्रामीण आवास की समस्या, गंदा पानी और कूड़ा कचरा जैसी समस्याएं अलग से मुंह बाए खड़ी हैं। यदि समय रहते सरकारों ने आने वाली पीढियों को सुंदर सुखी जीवन देने के लिए अभी से प्रयास शुरू नहीं किए तो भविष्य में भावी पीढियों के समक्ष आपसी संघर्ष की परिस्थितियां निर्मित होना तय है। इसके साथ ही जनसंख्या नियंत्रण के अभाव में देश की आर्थिक स्थिति बिगडऩे से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। जून 2024 में बेरोजगारी दर बढक़र आठ महीने के उच्च स्तर 9.2 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो पिछले महीने 7 प्रतिशत थी। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के अनुसार जून 2023 में यह दर 8.5 प्रतिशत थी। भारत में 70 के दशक में परिवार नियोजन कार्यक्रम चलाया गया था। उस समय भी महिलाओं की नसबंदी पर ही ज्यादा ध्यान केंद्रित किया गया था। आपातकाल के दौरान व्यापक पुरुष नसबंदी अभियान चलाया गया था जिसमें एक साल के अंदर साठ लाख से ज्यादा लोगों की नसबंदी कर दी गई थी जिसका भारी विरोध भी हुआ था। यह वक्त का तकाजा है कि केंद्र एवं राज्य सरकारें जनसंख्या वृद्धि से पैदा हो रही चुनौतियों से निपटने के लिए एक सर्व स्वीकार्य कार्यक्रम सामने लेकर आएं ताकि भारतीय लोग परिवार नियोजन को स्वेच्छा से अपनाकर देश को आने वाली पीढियों के लिए रहने लायक बनाने की दिशा में अपना योगदान दे सकें। सही तरीके से गर्भनिरोधक उपायों, गर्भपात, बन्ध्यीकरण, एकल बच्चा पैदा करने की नीति और परिवार नियोजन आदि उपायों से ही जनसंख्या वृद्धि को रोका जा सकता है। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा एकल और दो बेटियों वाले सरकारी कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप विशेष आर्थिक राशि प्रदान की जा रही है। हिमाचल प्रदेश में इंदिरा गांधी बालिका सुरक्षा योजना के तहत अब एक बेटी के बाद परिवार नियोजन अपनाने वाले परिवार को दो लाख रुपए मिलेंगे। वहीं दो बेटियों के बाद परिवार नियोजन अपनाने पर अब एक लाख रुपए मिलेंगे। इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस का थीम है, 'भविष्य की पीढियों को सशक्त बनाना : सतत विकास और जनसंख्या रुझान।' जनसंख्या दिवस हमें याद दिलाता है कि समस्याओं को समझने, समाधान तैयार करने और प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए डेटा संग्रह में निवेश करना महत्वपूर्ण है। जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर पिछले कई दशकों से बहस चल रही है। 1970 के दशक से हम सभी 'हम दो हमारे दो' का नारा सुनते आए हैं। हालांकि कभी भी किसी सरकार ने जनसंख्या नियंत्रण के कानून को लागू करने की हिम्मत नहीं दिखाई।

कुछ अलग

प्रेम, प्यार और अध्यात्म

आम बातचीत में हम दो शब्दों का प्रयोग ऐसे करते हैं मानो वे एक ही सरीखे हों, पर इन दोनों शब्दों में एक बारीक अंतर है। ये दो शब्द हैं : प्रेम और प्यार। आम बातचीत में इन दोनों शब्दों को हम एक-दूसरे की जगह बदल-बदल कर प्रयोग कर लेते हैं, जबकि असल में ऐसा होना नहीं चाहिए। प्यार शब्द एक शारीरिक क्रिया को दर्शाता है जबकि प्रेम शब्द एक आध्यात्मिक क्रिया का सूचक है। दोनों शब्दों में यही बारीक अंतर है। हम अपने माता-पिता और गुरुजनों से आदर मिश्रित प्यार करते हैं, अपने छोटे भाई-बहनों और बच्चों से स्नेह मिश्रित प्यार करते हैं, अपने मित्रों से विश्वास मिश्रित प्यार करते हैं और अपनी धर्मपत्नी या प्रेमिका से प्यार करते हैं। प्यार एक शारीरिक-मानसिक भावना का प्रतीक है, जबकि प्रेम एक आध्यात्मिक भावना का प्रतीक है। जब हम इस ब्रह्मांड की हर जड़ और चेतन वस्तु एवं प्राणि मात्र से निष्कपट, निरुद्देश्य और निस्वार्थ प्रेम करते हैं तो यह एक आध्यात्मिक भावना है। यहां तीन आवश्यक शर्तें हैं। निष्कपट प्रेम, निरुद्देश्य प्रेम, निस्वार्थ प्रेम। इस प्रेम में कपट नहीं है, झूठ नहीं है, धोखा नहीं है, दिखावा नहीं है, इसका कोई निश्चित उद्देश्य नहीं है, कुछ पाने की इच्छा नहीं है, यह निस्वार्थ है, बदले में कुछ भी नहीं चाहिए, यहां तक कि प्रेम भी नहीं। यह तो एक झरना है जो स्वतः बहता रहता है। जो भी आएगा, इसमें नहा लेगा, कोई भेदभाव नहीं, कोई पहचान नहीं, कोई रोक-टोक नहीं। यह प्रेम हर व्यक्ति के लिए है, हर जीव-जंतु और पेड़-पौधे के लिए है, यहां तक कि जीवनहीन मानी जाने वाली जड़ वस्तुओं के लिए भी है। यह पूरा ब्रह्मांड उस निराकार परमात्मा की रचना है, उनका ही स्वरूप है, उनका ही नूर है। कहते हैं कि जर्रे-जर्रे में परमात्मा का नूर समाया है। प्रकृति के ये अद्भुत नजारे, ये फूल, ये पेड़, ये पौधे, ये पत्तियां, ये हवा, ये खुशबू, ये रंग-बिरंगे पक्षी और जानवर, ये सागर, ये लहरें, ये पहाड़, ये सब परमात्मा का ही प्रत्यक्ष स्वरूप हैं और जब हम इनसे प्रेम करते हैं तो इनका उपभोग करते हुए भी इनका अनावश्यक दोहन नहीं करते, जमाखोरी का लालच नहीं करते, प्रकृति का विनाश नहीं करते। तब हम प्रकृति का संरक्षण करते हैं और बदले में प्रकृति हमारा संरक्षण करती है। प्रकृति का संरक्षण परमात्मा के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है और प्रकृति द्वारा हमारा संरक्षण हम सब पर परमात्मा की कृपा का प्रतीक है। जब हम इस भावना से प्रकृति को और ब्रह्मांड को देखना शुरू करते हैं तो हमारा नजरिया ही बदल जाता है। नजरिया बदलता है तो जीवन बदल जाता है और जीवन बदलता है तो हम आध्यात्मिकता की सीढियां चढऩे के काबिल हो जाते हैं। यह प्रकृति के प्रति हमारा प्रेम है। यह एक आध्यात्मिक भावना है। जब हमें कोई अनजान आदमी दिखे और प्रेम का सोता फूट पड़े, जब कोई जरूरतमंद व्यक्ति दिखे और प्रेम का सोता फूट पड़े, जब कोई रंग-बिरंगा सुंदर पक्षी दिखे और प्रेम का सोता फूट पड़े, जब कोई कुत्ता, बिल्ली, रीछ, सांप, मच्छर, छिपकली आदि दिखे तो प्रेम का सोता फूट पड़े, तब समझिए कि हम अध्यात्म को समझने लग गए, परमात्मा के नजदीक हो गए, परमात्मा हमारे नजदीक हो गए। हमने अध्यात्म के बंद किवाड़ खोल लिए। इसके लिए किसी पूजा-पाठ की आवश्यकता नहीं है, किसी पूजा स्थल की आवश्यकता नहीं है, किसी कर्मकांड की आवश्यकता नहीं है, किसी व्रत-उपवास की आवश्यकता नहीं है। जब हमारे व्यवहार और हमारी बातचीत में ईमानदारी हो, विनम्रता हो, करुणा हो और प्रेम हो तो हम अध्यात्म को समझने लग गए और परमात्मा के नजदीक हो गए। जब हमने झूठ बोलना, धोखा देना, फरेब करना, दिखावा करना छोड़ दिया तो हम दिव्यता को पा गए और परमात्मा के नजदीक हो गए। जब हमने अनावश्यक संग्रह का लालच छोड़ दिया और हममें सेवा का भाव आ गया तो हम परमात्मा के नजदीक हो गए।

देश दुनीया से

बेहतर प्रबंधन व कौशल विकास में समाधान

हमारा देश विश्व का सबसे युवा देश भी बना है यानी 35 वर्ष तक की आश्रित युवा आबादी सबसे अधिक 29 प्रतिशत भारत में ही है। यूएनएफपीए की ताजा रिपोर्ट में आकंड़ों के अनुसार भारत में लगभग 68 प्रतिशत जनसंख्या 15 से 64 की उम्र के बीच है जबकि 65 से ऊपर की जनसंख्या सिर्फ 7 प्रतिशत है। भारत में 25 प्रतिशत जनसंख्या 0-14 आयु वर्ग के बच्चों की है, वहीं 18 प्रतिशत 10-19 साल की आयु के बच्चों की आबादी है। साथ ही 10 से 24 साल के आयु वर्ग की जनसंख्या 26 प्रतिशत है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व जनसंख्या पूर्वानुमान-2022 के अनुसार 2050 तक भारत की जनसंख्या 166 .8 करोड़ पहुंच सकती है, वहीं चीन की आबादी घटकर 131 .7 करोड़ हो सकती है।

आज भारत में आबादी का आंकड़ा 143 करोड़ के नजदीक है। यूएनएफपीए की द स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट 2023 के अनुसार, भारत की जनसंख्या 1,428.6 मिलियन (142.86 करोड़) तक पहुंच गई है, जबकि चीन की 1,425.7 मिलियन (142.57 करोड़) है, जिसका मतलब है हमारी जनसंख्या चीन से 2.9 मिलियन यानी 29 लाख ज्यादा है। हमारा देश विश्व का सबसे युवा देश भी बना है यानी 35 वर्ष तक की आश्रित युवा आबादी सबसे अधिक 29 प्रतिशत भारत में ही है। यूएनएफपीए की ताजा रिपोर्ट में आकंड़ों के अनुसार भारत में लगभग 68 प्रतिशत जनसंख्या 15 से 64 की उम्र के बीच है जबकि 65 से ऊपर की जनसंख्या सिर्फ 7 प्रतिशत है। भारत में 25 प्रतिशत जनसंख्या 0-14 आयु वर्ग के बच्चों की है, वहीं 18 प्रतिशत 10-19 साल की आयु के बच्चों की आबादी है। साथ ही 10 से 24 साल के आयु वर्ग की जनसंख्या 26 प्रतिशत है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व जनसंख्या पूर्वानुमान-2022 के अनुसार 2050 तक भारत की जनसंख्या 166.8 करोड़ पहुंच सकती है, वहीं चीन की आबादी घटकर 131.7 करोड़ हो सकती है। भारत में जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर 0.8 से भी अधिक पहुंच चुकी है। जनसंख्या अभिशाप है या वरदान- यह एक सार्थक बहस का विषय होना चाहिए। हमारे शिक्षण संस्थानों में केवल जनसंख्या वृद्धि को अभिशाप के रूप में ही पढ़ाया जाता रहा है और गरीबी व बेरोजगारी की समस्या को बढ़ती जनसंख्या के ऊपर मढ़ दिया जाता है। देश और राज्यों में बनी सभी सरकारों के सामने जनसंख्या वृद्धि एक चुनौती रही है। किसी भी सरकार ने इस चुनौती का सामना करने के लिए इतनी संजीदगी नहीं बरती है जितनी बरती जानी चाहिए थी। देश की जनसंख्या में हो रही वृद्धि संसाधनों और सेवाओं पर दबाव डाल रही है, जिससे पर्यावरण का क्षरण हो रहा है। ग़रीबी, असमानता बढ़ रही है। स्वास्थ्य व्यवस्था पर निरंतर बोझ बढ़ रहा है, जिससे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य व अन्य सेवाओं की आम जनमानस तक पहुंच एक चुनौती बनी हुई है। शिक्षा का बुनियादी ढांचा बढ़ती आबादी की ज़रूरतों से जूझ रहा है। शहरीकरण के कारण मूलभूत आवश्यकताओं और आधारभूत अवसंरचना पर दबाव बढ़ गया है। इसके अतिरिक्त, जनसंख्या वृद्धि के कारण रोज़गार अवसरों में भी कमी आई है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार, भारत में बेरोज़गारी अब तक उच्चतम स्तर (8.5 प्रतिशत) पर है। ग़रीबी दूसरी बड़ी चुनौती है, जहां लगभग 16.4 प्रतिशत आबादी ग़रीब है और लगभग 4.2 प्रतिशत लोग भीषण ग़रीबी का सामना कर रहे हैं। गरीबी और बेरोजगारी का मुख्य कारण देश के नागरिकों में कौशशलता की कमी होना है। भारत के केवल 4.7 प्रतिशत कार्यबल ने औपचारिक कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया है। जर्मनी और दक्षिण कोरिया में यह संख्या क्रमशः 75 प्रतिशत और 96 प्रतिशत है। मोटे तौर पर भारत में असंगठित क्षेत्र में 83 प्रतिशत कार्यबल कार्यरत है और संगठित क्षेत्र में 17 प्रतिशत। अर्थव्यवस्था में 92.4 प्रतिशत अनौपचारिक श्रमिक हैं जिनके पास कोई लिखित अनुबंध, सवेतन छुट्टी और अन्य लाभ नहीं हैं। जो एक चिंतनीय विषय है। दूसरी ओर दुनिया के कई संपन्न देश जापान, इटली, ईरान व ब्राजील आदि जनसंख्या की कमी से जूझ रहे हैं। जहां कार्यों की अधिकता होते हुए श्रम शक्ति की कमी बनी हुई है। इसके विपरीत भारत में श्रम शक्ति अधिक होते हुए रोजगार में निरंतर कमी आ रही है। यह बेहद चिंता का विषय है। ज्यादा जनसंख्या वाले देशों में बड़ी कुशल श्रमशक्ति होती है, जो उत्पादन और आर्थिक विकास में मदद कर सकती है। अधिक जनसंख्या का मतलब है कि उत्पाद और सेवाओं के लिए बड़ा बाजार, जो व्यापार और उद्योग को बढ़ावा देता है। ज्यादा जनसंख्या में प्रतिभाशाली और रचनात्मक व्यक्तियों की संख्या भी अधिक होती है, जो नवाचार और नए विचारों को जन्म दे सकते हैं। बड़ी जनसंख्या वाले देशों में अधिक सैनिक और सुरक्षा बल हो सकते हैं, जो देश की रक्षा को मजबूत बनाते हैं। इसलिए, जनसंख्या का संतुलित प्रबंधन जरूरी है। इसके लिए जनसंख्या वृद्धि का बेहतर प्रबंधन करने की आवश्यकता है। युवाओं को सही दिशा में मार्गदर्शन देने, युवा शक्ति को बेहतर ढंग से चैनेलाइज करने और प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है ताकि वे देश के विकास में योगदान दे सकें। हम कौशल विकास और शिक्षा में निवेश बढ़ाकर, युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान कर सकते हैं और अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकते हैं। देश की सरकार को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न देशों की सरकारों, संगठनों से सहयोग कर कृषि, ऑटो, रक्षा, सेवा, साइंस व अन्य उत्पादन के क्षेत्र में उत्पादन क्षमता बढ़ानी होगी। यह कार्य शिक्षा में गुणवत्ता व कौशलता तथा व्यावसायिकता लाकर ही किया जा सकता है।

आप का नजरीया

उपग्रह नगर की चिड़िया

राजेश धर्माणी ऐसे पहले मंत्री नहीं जो हिमाचल में उपग्रह नगर बसाने की बात कर रहे हैं, लेकिन क्या कभी नागरिक जरूरतों में राज्य ने अपनी प्राथमिकताएं तय कीं। तीन दशक पूर्व ही मंडी, सोलन और कांगड़ा में सेटेलाइट टाउन बसाने की बात होने लगी थी, लेकिन इरादों की बारात न निकली। फिर घाघस के पास एक शहर की परिकल्पना उदास हो गई। यूं तो आवासीय सर्वेक्षण के घुंघरू पहनकर हिमुडा ने अपने कर्म को परिभाषित करने का संकल्प लिया था, लेकिन पैसा जमा कराने के बावजूद 76 हजार उपभोक्ताओं की मांग पर भरोसा नहीं हुआ। आश्चर्य यह कि धर्मशाला के करीब नरघोटा में सारी कार्रवाइयां पूरी होने के बावजूद हिमुडा सेटेलाइट टाउन की मंजूरियों पर कुंडली मार कर बैठा है। हिमुडा बनाम पर्यटन बनाम एडीबी परियोजना के तहत 24 गुणा 7 पर्यटन गांव बसाने की बात हुई, मगर राजनीति का दस्तूर कुछ और है। अब पर्यटन की देखरेख कर रहे आरएस बाली का महकमा अगर धर्मशाला के एडीबी कार्यालयों को जड़ों से उखाड़ कर नगरोटा ले जा सकता है, तो नरघोटा के सपनों की क्या बिसात। ऐसे में राजेश धर्माणी के विभाग की तूती अगर फिर से सेटेलाइट टाउन बसाने के लिए बज जाए, तो हिमाचली उपभोक्ता अपने ही राज्य में बस जाएंगे, वरना चंडीगढ़ के चारों ओर रियल एस्टेट में चालीस फीसदी हिमाचली न बसते। क्या कभी सोचा कि क्यों बीबीएन के माध्यम से आई आवासीय मांग, आर्थिकी और शहरीकरण की आर्थिकी क्यों समीपवर्ती पंचकूला, मोहाली, चंडीगढ़ और रोपड़ के आसपास चली गई। शिमला के पास कभी वाकनाघाट तो कभी जाठिया देवी मंदिर टाउनशिप योजना के पन्ने यूं न बिखरे होते। कायदे से हिमाचल को ऊना के आसपास एक बेहतरीन शहर बसाना चाहिए था, लेकिन यहां तो बजट का व्यय हर विधानसभा में बोर्ड लगाने और व्यर्थ की इमारतें उगाने के लिए नाकाफी है। आश्चर्य यह कि आवासीय व्यवस्था को हमने किसी भी विस्थापन में जरूरी नहीं समझा। हम चाहते तो न्यू टीहरी की तर्ज पर पौंग बांध के नजदीक शहर बसा देते या अब श्री रेणुका जी बांध परियोजना के साथ एक पुनर्वास कस्बा बसा देते। एक बिलासपुर बसा भी तो उसके विस्तार में वर्षों से अतिरिक्त सेक्टर की जमीन खिसकती रही है। जो राज्य अपने दफ्तरों या संस्थानों की स्थापना के लिए चंद गज जमीन अधिकृत नहीं कर पाता, जहां पीडब्ल्यूडी की सडक़ की ड्रेनेज, विद्युत आपूर्ति के पोल और शहर के एम्बूलेंस मार्ग को वांछित जमीन नहीं मिलती, वह हमें एक व्यवस्थित शहर में बसाने की उम्मीदें दे रहा है। इसका स्वागत अगर व्यावहारिक लक्ष्य पर रेखांकित हो तो यह सूचना अच्छी है कि बीस जगह निजी जमीन खरीदी जा सकती है। खरीदी पहले भी गई, लेकिन बिना रास्तों के विवाद सामने हैं। क्या सेटेलाइट टाउन बसाने के संकल्प लैंड बैंक बनाने में निपुण हो गए। क्या राज्य और राज्य के भीतर हर गांव और शहर की सार्वजनिक जमीन की उपलब्धता को हमने चिन्हित कर लिया। हमने तो अंग्रेजों के बसे बसाए शिमला के माथे पर 'न्यू शिमला' नामक उपग्रह नगर चस्पां करके बता दिया कि भविष्य के प्रति हम कितने लापरवाह और नाकाबिल हैं। हिमाचल की शहरी योजना का दस्तूर न्यू शिमला से तमाम हिमुडा कालोनियों तक एक असफल मॉडल है।

राजस्थान विस में भाजपा विधायकों ने ही उठाए सरकार पर सवाल

नेता प्रतिपक्ष व वन मंत्री के बीच नोकझोंक

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान शुक्रवार को भी सरकार को भाजपा विधायकों के तीखे सवाल झेलने पड़ रहे हैं। विधानसभा में गुरुवार को भी कई बीजेपी विधायकों ने अटके हुए कामों पर मंत्रियों के जवाबों पर नाराजगी जताई थी। आज की कार्यवाही में भाजपा विधायक संजीव बेनीवाल ने भादरा पेयजल प्रोजेक्ट को सवाल किया। मंत्री सुरेश रावत के जवाब पर बेनीवाल ने कहा कि मंत्रीजी समीक्षा छोड़िए, काम कब तक पूरा करेंगे ये बताइए? वन मंत्री संजय शर्मा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। संजय शर्मा ने जूली पर बार-बार खड़े होने को लेकर कमेंट किया था। सदन में आज भी शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बयान पर हंगामे के आसार हैं। विपक्ष ने मदन दिलावर के माफी मांगने और मंत्री पद से हटाने की मांग को लेकर उनके बहिष्कार की घोषणा कर रखी है। दिलावर विधानसभा में जब भी किसी सवाल का जवाब देते हैं तो विपक्ष जवाब नहीं सुनता है। हंगामा होता है। कल भी दिलावर के बयान को लेकर कांग्रेस ने वॉक आउट किया था। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा इस सत्र में विधानसभा में नहीं आएंगे। उन्होंने सदन से गैरहाजिर रहने की अनुमति मांगी थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि बज सत्र के दौरान अगर कोई भी विधायक सदन में नहीं आता है तो उसे लिखित में स्पीकर को सूचना देनी होती है, स्पीकर फिर सदन में वोटिंग करवाकर राय पूछते हैं, तब सदन की बैठकों से छुट्टी दी जाती है। मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अब डॉ. किरोड़ीलाल मीणा पूरे बजट सत्र विधानसभा नहीं आएंगे। विधानसभा में आज डॉ. किरोड़ी को पूरे बजट सत्र सदन से गैर हाजिर रहने की अनुमति दे दी है। प्रश्नकाल खत्म होते ही स्पीकर ने डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के पूरे बजट सत्र से सदन से गैर हाजिर रहने की अनुमति पर वोटिंग करवाई, जिसकी ध्वनिमत से अनुमति दे दी गई। विधानसभा में वृक्षारोपण के आंकड़ों में गड़बड़ी को लेकर उठे सवाल के दौरान वन मंत्री संजय शर्मा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बीच हल्की नोकझोंक हो गई। इसे लेकर सदन में हंगामा हो गया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने वृक्षारोपण के आंकड़ों में हेरफेर को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि पूरे आंकड़े राउंड फिगर में कैसे हो सकते हैं? इन्होंने जांच करवाई तो यह तो हो नहीं हो सकता कि सब आंकड़े राउंड फिगर में आएं, कहीं पर 80, कहीं 99 भी तो होंगे। आंकड़े गुमराह करने वाले हैं

इनकी जांच करवाई जाए, मंत्री स्पष्ट करें। वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को हर प्रश्न पर खड़े होने की आदत हो गई है। इस पर स्पीकर ने कहा कि यह काम मेरा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आदत नहीं यह अधिकार है, यह इस तरह नहीं चलेगा यह अधिकार है। इस दौरान पक्ष विपक्ष के बीच नोकझोंक होने लगी। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने बीच बचाव किया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मंत्री मेरी तरफ उंगली कर रहा है। कुछ देर नेता प्रतिपक्ष और मंत्री के बीच नोकझोंक हुई, कांग्रेस के कई विधायकों ने इस पर आपत्ति की। स्पीकर ने रोहित बोहरा सहित कई कांग्रेस विधायकों को बोलने की मंजूरी नहीं दी। स्पीकर ने कहा कि यह काम मेरा है, मैंने कह दिया और व्यवस्था दे दी। उच्च शिक्षा मंत्री और डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि कॉलेजों में 1936 खाली पदों को जल्द भरा जाएगा। इन पदों पर भर्ती का काम चल रहा है। चंद्रभान आक्या के सवाल के जवाब में बैरवा ने कहा कि प्रदेश के सरकारी कॉलेजों 555 लाइब्रेरियन, 555 पीटीआई के पद हैं, जिसमें , 535 लाइब्रेरियन और 540 पीटीआई के पद खाली चल रहे हैं। दोनों के 247-247 पदों पर भर्ती हो चुकी है। भादरा के पेयजल प्रोजेक्ट से जुड़े सवाल पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि इसमें मंत्रीजी की कोई गलती नहीं है। गलती वित्त विभाग के 15 दिसंबर के उस आदेश की है जिसमें सभी नए कामों पर रोक लगा दी। उस आदेश के बाद प्रदेश भर में सभी नए काम रुक गए हैं। यह असंवैधानिक आदेश है, यह जब तक यह नहीं हटेगा तब तक नए काम और पुराने चल रहे प्रोजेक्ट अटके ही रहेंगे। इस पर मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि इस प्रोजेक्ट में आरटीपीपी एक्ट के खिलाफ जाकर काम किया था। जो आरटीपीपी के नियमों के खिलाफ काम थे उन पर रोक लगाई है। यह पहली बार नहीं हुआ, आपके वक्त भी होता आया है।भादरा की पेयजल परियोजना में देरी पर बीजेपी विधायक संजीव कुमार ने जलदाय मंत्री के जवाब पर सवाल उठाए। मंत्री सुरेश रावत ने कहा कि समीक्षा के बाद जल्द फैसला किया जाएगा। इस पर संजीव कुमार ने कहा कि भादरा क्षेत्र में पानी का संकट है, अमरसिंह लिफ्ट से 15 दिन में पानी आता है।

प्रदेश में तीसरी बार बनेगी भाजपा की सरकार : कांबोज

जींद (हिंस)। भाजपा जिला कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा की विस्तारित जिला कार्यकारिणी की बैठक शुक्रवार को ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष बलविंदर धीमान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि पूर्व मंत्री एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कर्णदेव कांबोज ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी। भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकार को बनाने में पिछड़ा वर्ग का अहम योगदान है। इस बार भी पिछड़ा वर्ग ने भाजपा की सरकार लाने का मन बना लिया है। कांबोज ने नायब सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि क्रीमी लेयर की आय सीमा को छह लाख से बढ़ाकर आठ लाख करना नायब सरकार की पिछड़ा वर्ग को नायाब सौगात है। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग की वर्षों पुरानी मांगों को मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 23 जून को मंजूर कर ओबीसी वर्ग का दिल जीत लिया है इसके लिए आज इस जिला कार्यकारिणी ने ध्वनि मत से मुख्यमंत्री का धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया है। कांबोज ने कहा कि 23 जून को मुख्यमंत्री ने जहां क्रीमी लेयर की आय सीमा बढ़ाई वहीं विशेष भर्ती अभियान द्वारा ओबीसी श्रेणी की रिक्त पड़ी सीटों को प्राथमिकता के आधार पर भरने की घोषणा की है।

स्टिक कारोबारी ने ऊंटों पर निकाली बेटे की बारात

जालोर (हिंस)। आज के भौतिकतावादी दौर में जब युवा अपने विवाह में तमाम तरह के तामझाम करने लगे है, खुद की इच्छा से जहां थीम वेडिंग व ना जाने क्या-क्या करने लगे हैं, वहीं जालोर जिले के सायला उपखंड के बावतरा गांव में बड़े प्लास्टिक कारोबारी ने बेटे की बारात ऊंटों पर निकालकर अपनी संस्कृति को सबसे पहले माना है। कारोबारी ने अपने बेटे की बारात सजी धजी ऊंट गाड़ियों पर निकाली। करीब पंद्रह किलोमीटर की दूरी बारात ने सजी धजी ऊंट गाड़ियों पर तय की। कारोबारी की अफ्रीका और (मैसूर) कर्नाटक में प्लास्टिक मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट हैं। बारात में सजी धजी ऊंट गाड़ियों पर लाल गुमटियां बनाई थीं, बाराती सफेद परंपरागत पोशाक और लाल पगड़ी में थे। दूल्हे के चाचा सूरज देवासी ने बताया कि परिवार का फोकस समाज के रीति-रिवाज को अच्छे से निभाने पर रहा। हमारी कोशिश है कि हम परंपरागत संस्कृति को जीवित रखें। भतीजे (दूल्हा) विक्रम की शादी गुरुवार रात संपन्न हुई है। भाई वगताराम देवासी बिजनेसमैन हैं। उनकी इच्छा थी कि बेटे विक्रम की शादी परंपराओं को निभाते हुए करें। वगताराम प्लास्टिक कारोबारी हैं। कर्नाटक और अफ्रीका

में उनकी प्लास्टिक आइटम मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट हैं। लाखों का टर्नओवर है। बेटा विक्रम मैसूर कंपनी में डायरेक्टर के पद पर कार्यरत है। वगताराम की इच्छा थी कि बारात ऊंटों पर दुल्हन के घर पहुंचे। ऐसे में हमने 15 ऊंटों पर बारात निकालने का विचार किया। हालांकि बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए 40 कारों की व्यवस्था रही। बारात को देखने के लिए रास्ते में लोगों की भीड़ जुटी। लोगों ने अपने मोबाइल में इस नजारे को कैद किया। बारात बावतरा गांव से सायला के वालेरा गांव पहुंची।

एक समुदाय की जनसंख्या बढ़ने पर बढ़ रहा अलगाववाद, जल्द लाएंगे दो बच्चों का कानून : गर्ग

जयपुर (हिंस)। एक विशेष समुदाय की बढ़ती जनसंख्या को लेकर मुख्यमंत्री भजन लाल की ओर से दिए गए बयान के बाद सियासी पारा गर्म हो गया है। मुख्यमंत्री के बयान का समर्थन करते हुए अब मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैं उनसे एक कदम आगे की बात करता हूं, जहां-जहां एक समुदाय की जनसंख्या बढ़ती है, वहां-वहां समस्याएं बढ़ती जाती है, अलगाववाद बढ़ता है। भारत में ही नहीं बल्कि विकसित देशों में भी यही हालात है। सरकार जल्द ही दो बच्चों का कानून लेकर आएगी। विधानसभा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के बयान का समर्थन करता हूं *मैं उनसे भी आगे की बात कर रहा हूं। मुख्यमंत्री तो सिर्फ भारत की बात कर रहे हैं, मैं पूरी दुनिया की बात कर रहा हूं। मेरी बात के समर्थन में आपको हजारों*

तथ्य मिल जाएंगे। जिस भी देश में अशांति है, वहां अशांति के मूल में वो ही समुदाय है, जिनकी जनसंख्या बेतहाशा बढ़ रही है। बिना रोक-टोक के बढ़ रही है। गर्ग ने कहा कि उन लोगों ने बढ़ती जनसंख्या को एक हथियार माना है। संख्या बढ़ाओ और फिर शासन करो, यह उनका पुराना तरीका है और वह उसका लाभ उठा रहे हैं। उसे पर पूरी दुनिया को अंकुश लगाना चाहिए, अन्यथा पूरी दुनिया में अशांति हो जाएगी। यह समस्या भयंकर तरीके से बढ़ रही है। गर्ग ने कहा कि इस मुद्दे को सिर्फ भारत के परिपेक्ष में देखने से ही काम नहीं चलेगा। आप दुनिया के सारे देशों के बारे में जानकारी ले लीजिए। अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी जैसे विकसित देशों के बारे में जानकारी ले लीजिए। जहां-जहां एक समुदाय विशेष की आबादी बढ़ती है, वहां समस्याएं क्यों पैदा होती है? वहां अलगाववाद क्यों पैदा होता है? वहां दुराभाव-भेदभाव क्यों पैदा होता है? इस पर पूरी दुनिया को चिंतन करना चाहिए। दुनिया के तमाम देशों को मिलकर इस बारे में एक सामूहिक रणनीति बनानी चाहिए और इस समस्या का निपटारा करना चाहिए। जनसंख्या कानून को लेकर गर्ग ने कहा कि हमारी सरकार इस पर काम कर रही है, जल्द कानून आएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने गुरुवार को विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में समुदाय विशेष पर तंज कसा था। उन्होंने कहा था कि जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं, इसमें सभी का साथ होना चाहिए, लेकिन एक श्रेणी है, उसमें कोई अंतर नहीं आ रहा है। शर्मा ने कहा कि आज बढ़ती हुई जनसंख्या देश ही नहीं दुनिया के लिए भी चिंता का विषय है। लगातार जनसंख्या का प्रेशर बढ़ने के बाद भी एक श्रेणी के लोगों में कोई सुधार नहीं हो रहा है। हमें ऐसे लोगों को भी जन जागरण के माध्यम से बताना चाहिए कि आने वाले समय में जनसंख्या बढ़ेगी तो कई तरह की परेशानी भी होगी। सीएम भजन लाल के इस बयान के बाद सियासी गलियारों में बयान बाजी तेज हो गई है।

स्कूल अपग्रेड करने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

फतेहाबाद (हिंस)। बिठू क्षेत्र के गांव सूलीखेड़ा के ग्रामीणों ने गांव के मिडल स्कूल को अपग्रेड कर 12वीं तक करने की मांग की है। इसको लेकर ग्रामीणों ने शुक्रवार को क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी एवं आम आदमी पार्टी के प्रदेश सहसचिव लक्ष्य गर्ग के नेतृत्व में स्कूल के बाहर रोष जताया और चेतावनी दी कि अगर गांव के सरकारी स्कूल को अपग्रेड नहीं किया गया तो ग्रामीण आने वाले विधानसभा चुनावों में इस मुद्दे को लेकर अपना वोट डालेंगे। इस अवसर पर अनिल कुमार, राममूर्ति श्योराण, जितेन्द्र बैनीवाल, रामकुमार बैनीवाल, आदेश कुमार, राममूर्ति फौजी, सहीराम बैनीवाल, प्रदीप बैनीवाल, संदीप बैनीवाल, पवन नायक सहित

काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों के बीच पहुंचे आप नेता लक्ष्य गर्ग ने कहा कि गांव सूलीखेड़ा का राजकीय माध्यमिक विद्यालय केवल 8वीं तक ही है। ऐसे में गांव के विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके परिजनों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शासन-प्रशासन के अलावा स्थानीय विधायक का भी इस कोई ध्यान नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व गांव शेखुपुर का स्कूल 5वीं तक ही था। वहां के विद्यार्थी पढ़ने के लिए पहले गांव सूलीखेड़ा आते थे लेकिन अब शेखुपुर के स्कूल को अपग्रेड करके 12वीं तक कर दिया गया है वहीं अब वहां कॉलेज खुलने की भी संभावना है लेकिन प्रदेश सरकार द्वारा सूलीखेड़ा के लोगों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। लंबे समय से ग्रामीण स्कूल को 12वीं तक अपग्रेड करने की मांग कर रहे हैं लेकिन प्रदेश सरकार उनकी कोई सुनवाई नहीं कर रही जिससे ग्रामीणों में काफी रोष है। उन्होंने कहा कि आठवीं तक स्कूल होने के कारण इसके बाद या तो विद्यार्थियों को पढ़ाई छोड़कर घर बैठना पड़ता है या फिर गांव से बाहर पढ़ने के लिए जाना पड़ता है। खासकर गांव की बेटियों को सबसे ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में वे इसी मुद्दे को लेकर वोट देंगे।

भाजपा विधायक की भाषा लोकतंत्र में स्वीकार नहीं : चंद्रशेखर आजाद

बिजनौर (हिंस)। नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि विधायक ओम कुमार को पिछले भाजपा उम्मीदवार के मुकाबले भी 50 हजार कम वोट मिले हैं। ओम कुमार जिस भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, वह लोकतंत्र में स्वीकार्य नहीं है। भाजपा नेता ने बयान दिया था कि जिन्होंने वोट दिया उन्हीं का काम करूंगा। चंद्रशेखर ने कहा कि भाजपा के नेता अपने कार्यकर्ताओं का भी काम नहीं करा पा रहे हैं। मेरे पास अगर भाजपा के कार्यकर्ता भी आएंगे तो उनका भी काम कराऊंगा। सतगुरु रविदास महाराज जी से प्रार्थना करूंगा कि ओम कुमार को सद बुद्धि मिले। सांसद चन्द्रशेखर ने कहा कि नगीना में सरकार ने कुछ नहीं किया। नगीना में उद्योग नहीं, एम्स नहीं, बड़ा अस्पताल नहीं, कॉलेज नहीं, यूनिवर्सिटी नहीं है। बिजनौर में बाढ़ की बड़ी समस्या है। सांसद ने कहा कि हर साल बाढ़ के नाम पर करोड़ों रुपया नेता

और अफसर खा जाते हैं। बाढ़ का पैसा नेता और अफसर के नाम पर फाइलों में दब जाता है। अब यहां (नगीना) का सांसद ऐसा नहीं जो कमीशन खाएगा, यहां का सांसद ऐसा है कि अब जो अफसर काम नहीं करेगा वह नहीं रहेगा, काम करना पड़ेगा।

सांसद अमृतपाल का भाई ड्रग्स के साथ गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में नशा विरोधी मुहिम चलाकर सुर्खियों में आए खडूर साहिब लोकसभा हलके से खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल सिंह के भाई को पंजाब पुलिस ने ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम हरप्रीत सिंह है। पुलिस ने हरप्रीत सिंह के पास से पांच ग्राम आइस बरामद की है। बरामद ड्रग मैथैम्फेटामाइन बताई जा रही है। पुलिस द्वारा करवाई गई मेडिकल जांच में आरोपी के खुद नशे में होने की पुष्टि हो गई है। जालंधर देहात के एसएसपी अंकुर गुप्ता ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी हरप्रीत को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल वह हमारे लिए एक आरोपी है, क्योंकि उन्होंने अपराध किया है। फिल्लौर पुलिस ने उसे रूटीन चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया है। एसएसपी ने कहा कि केस में एनडीपीएस एक्ट 22-27 के तहत एफआईआर दर्ज की थी। अब केस में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 29 की जोड़ दी है। अब पुलिस इस केस में उक्त आरोपी को भी नामजद करेगी, जिससे आरोपी यह मादक पदार्थ लेकर आया है। इस मामले में पुलिस ने हैबोवाल निवासी संदीप को भी नामजद कर दिया है। उधर, अमृतपाल के पिता तरसेम सिंह ने इसे साजिश करार देते हुए कहा कि हरप्रीत दोपहर 12 बजे गया था।

बीएसएफ ने भारत-पाकिस्तान सीमा से संदिग्धावस्था में पकड़ा उप्र का युवक

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ ने पंजाब में भारत-पाक सीमा पर गश्त के दौरान एक व्यक्ति को संदिग्ध हालात में घूमते हुए गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया व्यक्ति उत्तर प्रदेश के शामली जिले का रहने वाला है। बीएसएफ तथा पंजाब पुलिस की टीमें द्वारा पकड़े गए व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है। बीएसएफ 55 बटालियन के कमांडेंट के. एन त्रिपाठी के अनुसार बीती रात गश्त के दौरान फाजिल्का के भारत-पाकिस्तान सरहदी इलाके की बाओपी खानपुर के अंतर्राष्ट्रीय फैंसिंग के पास संदिग्ध हालात में एक व्यक्ति को पकड़ा गया है। उसने अपना नाम साजिद अली, निवासी खुरगान, जिला शामली (उप्र) का रहने वाला बताया है। उसका कहना है कि वह धान की रोपाई के सीजन के दौरान मजदूरों के समूह में इधर आया था। रास्ता भटकने के कारण वह सीमा के निकट अंतर्राष्ट्रीय फैंसिंग के पास चला गया। बीएसएफ द्वारा उक्त व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है कि वह रात के समय इधर क्या कर रहा था।

पुलिस कार्रवाई से नाराज दलितों ने किया प्रदर्शन

यमुनानगर (हिंस)। जगाधरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गांव कैल के दलित समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में लघु सचिवालय पर इकट्ठा पुलिस की लापरवाही और सही कार्रवाई न करने को लेकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर प्रदर्शन कर नारेबाजी की और पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई। शुक्रवार को मामले की जानकारी देते हुए पीड़ित कर्णपाल व उसकी मां लाजवंती का कहना है कि उसका दलित परिवार 28 जून को अपनी जमीन पर मकान के निर्माण का कार्य कर रहा था। आरोपी राजेश नंबरदार सहित अन्य छह लोगों ने इकट्ठा होकर उसके घर पर आकर पत्नी सीमा, बुजुर्ग माता-पिता व बच्चों पर डंडे, सरिए से हमला कर दिया और उनके जमकर मारपीट की। वहीं अभद्र व्यवहार करते हुए उन्हें जातिसूचक शब्द कहें। इसे लेकर हमने पुलिस की डायल 112 को सूचित किया। जिस पर पुलिस ने आकर मेडिकल कराने की बात कहकर चले गए। सदर थाने जगाधरी में भी शिकायत दी लेकिन राजनीतिक दबाव के चलते हैं पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया। दलित समाज के विरोध पर दस दिन बाद हल्की धाराओं में केस दर्ज किया। लेकिन पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट उन्होंने आज जिला पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाते हुए मांग की कि दर्ज केस में पुलिस सख्त धाराएं जोड़े और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि अगर जल्द न्याय नहीं मिला दलित समाज आंदोलन करने पर मजबूर होगा। इसकी सारी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस मौके पर बड़ी संख्या में दलित समाज के लोग शामिल रहे।

कोसी का कहर जारी, गीत गाकर कोसी को मना रही महिलाएं

भागलपुर (हिंस)। जिले में कोसी नदी ने रौद्र रूप ले लिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि कोसी अपने साथ सब कुछ बहा ले जाएगी। सौं सौं करती तेज धार और कोसी के विकराल रूप के सामने किसी की नहीं चल रही है। जिले के खरीक प्रखंड अंतर्गत सिंहकुंड गांव में कोसी ने तांडव मचाया हुआ है। जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के द्वारा तेजी और मजबूती से कटाववरोधी कार्य नहीं करवाया गया। जिस कारण लगातार घर और जमीन कटकर कोसी में समाने लगे हैं। ऐसी स्थिति में अब यहां की महिलाएं हर दिन कोसी किनारे बैठकर गीत गाकर उनसे आरजू विनती कर रहे हैं। महिलाएं गीत के माध्यम से कोसी नदी को शांत हो जाने का आग्रह कर रही हैं।

सावन श्रवण नक्षत्र, प्रीति और सर्वार्थ सिद्धि योग में 22 जुलाई से सावन शुरू

जयपुर (हिंस)। आदिदेव महादेव के 22 जुलाई से शुरू हो रहे सावन माह में पार्थिव शिवलिंग की भी अर्चना होगी। सावन की सोमवार से शुरुआत होने और सावन को ही समापन होने से शिव भक्तों में भारी उत्साह है। छोटी काशी शिवालयों पूरे माह भगवान भोलेनाथ का अभिषेक, महामृत्युंजय मंत्र जाप तो होंगे ही और साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर पूजन और अभिषेक करेंगे। पूरे सावन माह में विभिन्न मंदिरों एवं अन्य स्थानों पर इन पार्थिव शिवलिंगों की संख्या सवा लाख से भी अधिक हो सकती है। कई मंदिरों में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में पार्थिव शिवलिंग बनाए जाएंगे। इसी कड़ी में श्री शिवमहापुराण कथा समिति जयपुर की ओर से श्रावण मास में 17वां 251 श्री शिव पार्थिव महारुद्राभिषेक 4 अगस्त को गोविंद देवजी मंदिर के सत्संग भवन में होगा। श्री शिव महापुराण कथा समिति के महामंत्री अरुण खटोड़ ने बताया कि पूजन सहयोग राशि 4100 रुपए रखी गई है। आसन सीमित हैं। ज्योतिषाचार्य गौरवा गौड ने बताया कि 22 जुलाई को सावन श्रवण नक्षत्र, प्रीति और सर्वार्थ

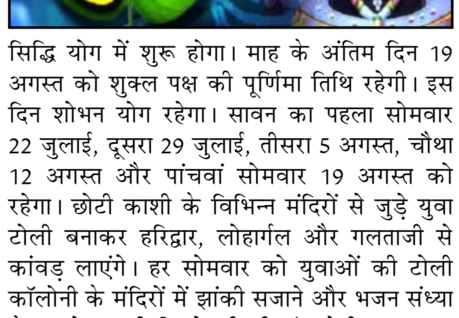

सिद्धि योग में शुरू होगा। माह के अंतिम दिन 19 अगस्त को शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि रहेगी। इस दिन शोभन योग रहेगा। सावन का पहला सोमवार 22 जुलाई, दूसरा 29 जुलाई, तीसरा 5 अगस्त, चौथा 12 अगस्त और पांचवां सोमवार 19 अगस्त को रहेगा। छोटी काशी के विभिन्न मंदिरों से जुड़े युवा टोली बनाकर हरिद्वार, लोहार्गल और गलताजी से कांवड़ लाएंगे। हर सोमवार को युवाओं की टोली कॉलोनी के मंदिरों में झांकी सजाने और भजन संध्या के आयोजन की जिम्मेदारी भी संभालेगी।

दूसरी पत्नी से तंग आकर पति ने अपने दो बच्चों के साथ कब्रिस्तान में जाकर खाया जहर

किशनगंज (हिंस)। जिले के पोठिया थानाक्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपने दो मासूम बच्चों के साथ कब्रिस्तान में जाकर जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। पोठिया प्रखंड क्षेत्र के छत्तरगाछ पंचायत के अथियाबारी गांव के मो. इदरीश नामक व्यक्ति ने स्वयं और अपने दो मासूम बच्चे को जहर खिलाकर आत्महत्या करने की कोशिश की है। जहां घर से थोड़ी दूर पर स्थित कब्रिस्तान में जाकर अपने स्वर्गीय पत्नी के कब्र के पास अपने बच्चों के संग आत्महत्या करने की कोशिश की। घटना के बाद कुछ लोगों ने कब्रिस्तान में उन्हें ये हरकते करते देखा तो कब्रिस्तान में लोगो की भीड़ जुट गई। जहां स्थानीय युवा आदिल रब्बानी और नुरुल हक ने मिलकर तीनो को कब्रिस्तान से निकालकर छत्तरगाछ

अस्पताल पहुंचाया। जहां से बेहतर ईलाज हेतु तीनों को सदर अस्पताल किशनगंज रेफर कर दिया गया है। फिलहाल तीनों की स्थिति काफी नाजुक बनी हुई है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक इदरीश के पहली पत्नी की मृत्यु हो गई है, जिसके बाद उन्होंने दूसरी शादी की है। जिससे अक्सर घरेलू विवाद होता था। जिससे तंग आकर उन्होंने आत्महत्या करने की कोशिश की है। मामले पर दूसरी पत्नी सीमा प्रवीण ने बताया कि उन्हें घटना की कोई जानकारी नहीं है। इधर घटना की जानकारी मिलते ही छत्तरगाछ थाना कैंप प्रभारी राजीव कुमार अपने दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर घटना के तहकीकात में जुटे दिखे। इस घटना के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

आने वाले कई वर्षों तक 7 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था, नीति आयोग के अरविंद विरमानी का दावा

नई दिल्ली ।
नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था करीब 7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी और यह कई वर्षों तक इसी तरह की वृद्धि दर बनाए रखने की राह पर है। विरमानी ने कहा कि देश के सामने नई चुनौतियां हैं और उनसे भी निपटना जरूरी है।

निजी उपभोग व्यय में हो रहा सुधार

अरविंद विरमानी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था 7 प्रतिशत 0.5 प्रतिशत कम या ज्यादा की दर से बढ़ेगी... मुझे उम्मीद है कि हम आने वाले कई वर्षों तक 7 प्रतिशत की दर से वृद्धि करने की राह पर हैं। पिछले महीने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। विरमानी ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में निजी उपभोग व्यय में गिरावट आने के बाद अब इसमें सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा, महामारी का असर बचत में कमी के रूप में सामने आया और यह पिछले वित्तीय झटकों से बहुत अलग है। यह दोहरे सूखे की स्थिति जैसा है।

एफडीआई में गिरावट पर क्या बोले विरमानी

विरमानी ने कहा, पिछले साल भी अल नीनो आया था, लेकिन महामारी ने जो किया, उसके परिणामस्वरूप लोगों को अपनी बचत कम करनी पड़ी इसलिए बचत को फिर से बनाना है, जिससे वर्तमान खपत कम होती है। भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में गिरावट को लेकर विरमानी ने कहा कि उभरते हुए बाजारों की तुलना में अमेरिका और अन्य विकसित देशों में निवेश का जोखिम रहित रिटर्न बहुत ज्यादा है। जैसे ही अमेरिका में ब्याज दर कम होने लगेगी तो उम्मीद है कि भारत सहित उभरते बाजारों में एफडीआई बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि बीते महीने संयुक्त राष्ट्र ने भी विकास दर के पूर्वानुमान में बताया था कि भारत की अर्थव्यवस्था साल 2024 में करीब 7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। संयुक्त राष्ट्र ने बताया कि भारत में उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति में कमी आई है और 2023 में जहां ये 5.6 प्रतिशत थी, वो 2024 में घटकर 4.5 प्रतिशत हो गई है।

न्यूज ब्रीफ

जियो फाइनेंशियल्स को कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी बनने के लिए आरबीआई की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने भारतीय रिजर्व बैंक से गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी से कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी में बदलने की मंजूरी हासिल कर ली है। यह कदम कंपनी के फोकस में रणनीतिक बदलाव को दर्शाता है। अब सवाल उठता है कि कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी क्या है। ये आरबीआई द्वारा परिभाषित सीआईसी एक विशेष एनबीएफसी है, जिसका न्यूनतम परिसंपत्ति आधार 100 करोड़ रुपये है। आरबीआई के दिसंबर 2016 के परिपत्र में सका प्राथमिक कार्य, विशिष्ट शर्तों के अधीन, शेयरों और प्रतिभूतियों का अधिग्रहण और प्रबंधन है। जियो फाइनेंशियल के लिए सीआईसी संरचना के लाभ सीआईसी की शुद्ध परिसंपत्तियों का कम से कम 90 प्रतिशत समूह कंपनियों के भीतर इक्विटी शेयरों, वरीयता शेयरों, बॉन्ड, डिबेंचर, लोन या निवेश किया जाना चाहिए। यह बदलाव जियो फाइनेंशियल सर्विसेज को अपनी सहायक कंपनियों के निवेश और प्रबंधन को प्राथमिकता देने और ऑपरेशन को सुव्यवस्थित करने की अनुमति देता है। सीआईसी संरचना हर सहायक कंपनी के लिए वित्तीय सुविधा देती है, जो खासकर उस कंपनी के लिए अलग से होती है। इससे बेहतर निवेशक मूल्य पहचान हो सकती है। पारंपरिक एनबीएफसी के विपरीत, सीआईसी डिपॉजिट स्वीकार नहीं करते हैं, जिससे जियो फाइनेंशियल को मुख्य निवेश गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति मिलती है। एक सीआईसी के रूप में, कंपनी को नए क्षेत्रों की खोज करने और अपने निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने की स्वतंत्रता मिलती है, जो बाजार की बदलती गतिशीलता के अनुकूल है। मार्केट की प्रतिक्रिया जियो फाइनेंशियल के परिवर्तन की खबर को बाजार ने सकारात्मक रूप से लिया। शुरुआती सत्र के दौरान कंपनी के शेयर की कीमत में 1.5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई।

इरेडा जारी करेगा नतीजे, ऑल टाइम हाई पर पहुंचे शेयर मालामाल हुए निवेशक

नई दिल्ली। एनर्जी सेक्टर की कंपनी इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड ने निवेशकों को जमकर रिटर्न दे रही है। शेयर अपने ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया है। कारोबार के दौरान कंपनी के शेयर 6 प्रतिशत चढ़कर 303.70 रुपये के स्तर तक पहुंचे। कंपनी वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही के नतीजे भी जारी करेगी। उम्मीद है कि कंपनी के नतीजे बेहतर होंगे। यही कारण है कि निवेशक रिजल्ट आने से पहले जमकर खरीदारी कर रहे हैं। कंपनी का मार्केट कैपिटल करीब 80 हजार करोड़ रुपए है। 1 महीने में दिया 62 प्रतिशत का रिटर्न खबर लिखे जाने तक कंपनी के शेयर 2.83 प्रतिशत तेजी के साथ 291.90 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इरेडा के शेयरों ने निवेशकों को पिछले पांच दिनों में जबरदस्त 25 प्रतिशत से ज्यादा और 1 महीने में 62.48 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इसके साथ ही बात करें पिछले छह महीने में 167 प्रतिशत तक का रिर्टन दिया है। इसके साथ ही बात करें लिस्टिंग से अब तक तो इरेडा ने करीब 394 फीसदी रिटर्न दिया है।

पीएफ पर ब्याज दर बढ़कर 8.25 फीसदी हुई; आम बजट से पहले वित्त मंत्रालय ने लिया फैसला

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफओ) जमा पर ब्याज दर 8.15 फीसदी से बढ़ाकर 8.25 फीसदी करने की मंजूरी दे दी। इसकी घोषणा इस साल फरवरी में की गई थी, जिसे सरकार ने मई 2024 में अधिसूचित किया था, जिसे अब वित्त मंत्रालय की मंजूरी मिली है। ईपीएफओ ने सोशल मीडिया पर ब्याज दर बढ़ाने की जानकारी दी। पिछले साल 28 मार्च को ईपीएफओ ने 2022-23 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) पर 8.15 प्रतिशत की ब्याज दर की घोषणा की थी। मार्च 2022 में ईपीएफओ ने करीब 7 करोड़ कर्मचारियों को बड़ा झटका देते हुए 2021-22 के लिए ब्याज दर को घटाकर चार दशक के निचले स्तर 8.1 प्रतिशत कर दिया था। इसके पहले 2020-21 में यह 8.5 प्रतिशत था।

टॉप 7 शहरों में किफायती फ्लैटों की लॉन्चिंग में आई 21 फीसदी की सालाना

नई दिल्ली ।
रियल एस्टेट सलाहकार जेएलएल इंडिया ने एक डेटा रिलीज किया है। इस डेटा के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून तक किफायती अपार्टमेंट्स जिसकी कीमत 50 लाख रुपये से कम है उनकी सप्लाई में 21 फीसदी की सालाना गिरावट आई है। चूंकि, बिल्डर्स ज्यादा प्रीमियम फ्लैट लॉन्च कर रहे हैं। इस वजह से अपार्टमेंट्स की डिमांड कम हो रही है। अपार्टमेंट की फ्रेश सप्लाई में आई तेजी जेएलएल इंडिया की रिलीज में देश के टॉप-7 शहरों के हाउसिंग मार्केट के डेटा मौजूद हैं। टॉप-7 शहरों में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर), कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे शामिल हैं। इस रिलीज के अनुसार अप्रैल-जून 2024 के दौरान अपार्टमेंट की फ्रेश सप्लाई में 5 फीसदी की तेजी आई है। पिछले साल की पहली तिमाही में यह 151,207 यूनिट्स थी, जो इस तिमाही में 1,59,455 यूनिट्स हो गई है। इस डेटा में केवल अपार्टमेंट शामिल हैं। इस विश्लेषण में रोहाउस, विला और प्लॉट का डेवल्पमंट शामिल नहीं है। किस अपार्टमेंट का कितना है फ्रेश सप्लाई चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में किफायती फ्लैटों की फ्रेश सप्लाई 21 प्रतिशत कम हुई है। 50 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये की कीमत वाले हर फ्लैट की लॉन्चिंग में इस साल 14 फीसदी की गिरावट आई। 1 से 3 करोड़ रुपये वाले फ्लैट के फ्रेश सप्लाई में 3 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। 3 से 5 करोड़ रुपये वाले अपार्टमेंट्स की ग्रोथ डबल हो गई है। पिछले साल इनके आंकड़ें 7,149 थे जो पहली तिमाही में 19,202 यूनिट हो गए। 5 करोड़ रुपये के कैटेगरी वाले अपार्टमेंट्स में दो गुना बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल यह 4,510 यूनिट थे जो इस साल 9,734 यूनिट हो गए। अप्रैल-जून 2024 के दौरान टॉप-7 शहरों में अपार्टमेंट की बिक्री 22 फीसदी बढ़ी है। एक साल पहले की अवधि में यह 126,587 इकाई थी जो जून तक 154,921 इकाई हो गई।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है। दोनो ही कीमती धातुओं के वायदा कारोबार में कमजोरी दर्ज की गयी। दोनों के ही वायदा भाव में खुलते ही गिरावट दर्ज की गयी। कुछ समय बाद ही सोने के वायदा भाव 73,250 रुपये के करीब जबकि चांदी के वायदा भाव 93,800 रुपये के आसपास कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत फीकी रही जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत अच्छी रही। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 107 रुपये की टूटकर 73,204 रुपये के भाव पर खुला। यह अनुबंध 71 रुपये नीचे आकर 73,240 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 73,246 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 73,173 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 74,442 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे थे। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज अच्छी नहीं रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबुंध 179 रुपये की गिरावट के साथ ही 94,011 रुपये पर खुला। वहीं चांदी के वायदा भाव 96,493 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत अच्छी नहीं रही। चांदी के वायदा भाव तेज शुरुआत के बाद नीचे आने लगे। कामेक्स पर सोना 2421 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,421.90 डॉलर प्रति औंस था। कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.72 डॉलर के भाव पर खुले। पिछली बार ये 31.67 डॉलर पर बंद हुए थे।

अदाणी विल्मर खरीदेगा ओमकार केमिकल्स इंडस्ट्रीज की 67 प्रतिशत हिस्सेदारी, 56 करोड़ में डन हुई है डील

नई दिल्ली ।
खाद्य तेल की प्रमुख कंपनी अदाणी विल्मर एलटीडी की ओर से 56 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर ओमकार केमिकल्स इंडस्ट्रीज की 67 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी जाएगी। अदाणी विल्मर के मुख्य परिचालन अधिकारी सौमिन शेठ ने कहा कि इस अधिग्रहण के माध्यम से अदाणी विल्मर तुरंत एक प्रोडक्शन फुटप्रिंट और क्षमताएं स्थापित करेगा।

3-4 महीनों में पूरा होगा अधिग्रहण

एक विनियामक फाइलिंग में अदाणी विल्मर ने कहा कि उसने एक विशेष केमिकल कंपनी, ओमकार केमिकल्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड में 67 प्रतिशत की बहुमत हिस्सेदारी लेने के लिए शेयर सदस्यता और शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उम्मीद है कि 56.25 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर होने वाला ये अधिग्रहण 3-4 महीनों के भीतर पूरा हो जाएगा।

ओमकार केमिकल्स

ओमकार केमिकल्स गुजरात के पनोली में एक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट चलाता है, जिसकी वार्षिक क्षमता लगभग 20,000 टन सर्फेक्टेंट की है और अन्य उत्पादों के लिए क्षमता में और वृद्धि कर रहा है। विशेष रसायन बाजार घरेलू और व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों, खाद्य योजक, प्लास्टिक और पॉलिमर, कृषि रसायन, और स्नेहक और पेट्रोकेमिकल्स जैसे विविध क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

अदाणी विल्मर

अदाणी विल्मर, अदाणी ग्रुप और सिंगापुर के विल्मर समूह के बीच एक संयुक्त उद्यम है, जो भारत में सबसे बड़ी उपभोक्ता खाद्य स्नस्ष्टत कंपनियों में से एक है। कंपनी के पास एक बड़ा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो है। इसमें खाद्य तेल, गेहूं का आटा, चावल, दालें, चना आटा (बेसन) और चीनी सहित अधिकांश प्राथमिक रसोई की आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं।

तेल-गैस क्षेत्र में 100 अरब डॉलर का निवेश संभव, पुरी बोले- तेल आयात पर निर्भरता घटाने की जरूरत

नई दिल्ली ।
भारत में तेल-गैस क्षेत्र में खोज और उत्पादन क्षमता का अब भी पूरी तरह दोहन नहीं हुआ है। आयात पर देश की निर्भरता कम करने और किफायती व टिकाऊ तरीके से ईंधन उपलब्ध कराने के लिए तेल-गैस की खोज तेज करने की जरूरत है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, भारत में तेल-गैस की खोज में 100 अरब डॉलर के निवेश का अवसर है। पुरी ने बृहस्पतिवार को ऊर्जा वार्ता सम्मेलन में कहा, खोज और उत्पादन (ईएंडपी) क्षेत्र ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक अभिन्न अंग है। यह सतत आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। ईएंडपी 2030 तक 100 अरब डॉलर के निवेश का अवसर प्रदान करता है। तलछटी बेसिन में 65 करोड़ टन तेल पुरी ने कहा, यह अजीब लगता है कि भारत प्रचुर भूवैज्ञानिक संसाधनों के बावजूद तेल आयात पर इतना अधिक निर्भर है। भारतीय तलछटी बेसिन में 65.18 करोड़ टन क्रूड और 1,138.6 अरब क्यूबिक मीटर प्राकृतिक गैस मौजूद है। हमारे तलछटी बेसिन क्षेत्र के सिर्फ 10 फीसदी पर ही अन्वेषण का

काम हो रहा है, जो 2024 अंत तक बढ़कर 16 फीसदी हो जाएगा। अन्वेषण क्षेत्र को 10 लाख वर्ग किलोमीटर तक बढ़ाने का इरादा मंत्री ने कहा, सरकार ईएंडपी में निवेश को बढ़ावा देने के लिए अपनी भूमिका निभा रही है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने व्यापक सुधार लागू किए हैं। इससे हितधारकों को हमारे देश की प्रगति में योगदान करने के लिए सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमारा इरादा 2030 तक न्वेषण क्षेत्र को 10 लाख वर्ग किलोमीटर तक बढ़ाने का है। आयात समझौते पर रूस से चल रही बातचीत देश की सरकारी रिफाइनरी कंपनियां रूस के साथ दीर्घकालिक तेल आयात समझौते पर संयुक्त रूप से बातचीत कर रही हैं।

टीसीएस के स्टॉकहोल्डर को डबल फायदा, डिविडेंड भी मिला और शेयर प्राइस में भी आई तेजी

नई दिल्ली ।
शेयर बाजार में तूफानी तेजी जारी है। दोनों मुख्य स्टॉक एक्सचेंज ने नया ऑल-टाइम हाई को टच किया है। स्टॉक मार्केट में जारी तेजी के बीच आईटी सेक्टर में भी तूफानी तेजी देखने को मिली है।

टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस के शेयर में शानदार तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कंपनी ने अपने तिमाही नतीजों की घोषणा की थी। कंपनी ने बताया कि जून तिमाही में उन्हें 12,040 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ है। इसके अलावा कंपनी ने बताया कि वह देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी है।

शेयर में आई कितनी तेजी

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 3.10 फीसदी चढ़कर 4,044.35 रुपये पर पहुंच गए थे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 3 फीसदी की तेजी के साथ 4,044.90 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। टीसीएस के शेयर 5.75

फीसदी या 225.75 रुपये चढ़कर 4,149.45 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा है। स्टॉक में आई तेजी के बाद टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 15,08,217.87 करोड़ रुपये हो गया। सेंसेक्स में टीसीएस के शेयर टॉप-गेनर हैं। टीसीएस के साथ इन्फोसिस , टेक महिंद्रा , एचसीएल टेक्नॉलजी और विप्रो के शेयर में भी तेजी है। टीसीएस तिमाही नतीजे 11 जुलाई 2024 टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने चालू कारोबारी साल के पहले तिमाही के नतीजे जारी किये थे। कंपनी ने बताया था कि जून तिमाही में उनके नेट प्रॉफिट में साल-दर-साल के आधार पर 8.7 फीसदी तेजी आई है। पहली तिमाही में कंपनी को 12,040 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ है। यह पिछले साल की पहली तिमाही में 11,074 करोड़ रुपये था। वहीं, कंपनी के रेवेन्यू में 62,613 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। टीसीएस ने अपने शेयरधारकों के लिए 10 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देने का एलान किया है।

अनंत-राधिका की शादी में तीन फाल्कन-2000 जेट का होगा इस्तेमाल,इतने निजी विमान भी होंगे प्रयोग

मुंबई ।
मुंबई में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी मुंबई के बांद्रा कुर्ला सेंटर (बीकेसी) के जियो सेंटर में होगी। बताया जा रहा है कि शादी में मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए अंबानी ने तीन फाल्कन-2000 जेट किराए पर लिए हैं। अरबपति मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी भारत की सबसे बड़ी शादियों में से एक में अपनी प्रेमिका राधिका मर्चेंट के साथ शादी के बंधन में बंधेंगे।

क्लब वन एयर की एयर चार्टर कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजन मेहरा ने कहा कि अंबानी परिवार ने शादी में मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए तीन फाल्कन-2000 जेट किराए पर लिए हैं और उन्हें उम्मीद है कि इन कार्यक्रमों के लिए 100 से अधिक निजी विमानों का इस्तेमाल किया जाएगा। मेहमान हर जगह से आ रहे हैं और प्रत्येक विमान देश भर में कई चक्कर लगाएगा। मुंबई एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारी का कहना है, मुंबई के एयरपोर्ट सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। शादी के लिए प्राइवेट द्वार का उपयोग किया जाएगा। जिसके लिए अलग से व्यवस्था की गई है। बारिश की वजह से अभी तक कुछ भी परेशानी नहीं है, लेकिन उड़ाने कुछ देर से अवश्य उड़ रही हैं।

आयोजन स्थल की सड़कें 12-15 जुलाई को दोपहर 1 बजे से आधी रात के बीच केवल इवेंट वाहनों के लिए खुली

आयोजन स्थल के पास की सड़कें 12-15 जुलाई को दोपहर 1 बजे से आधी रात के बीच केवल इवेंट वाहनों के लिए खुली रहेंगी। मुंबई में ट्रैफिक पुलिस ने तीन दिनों के लिए सड़क प्रतिबंधों पर एक विस्तृत सलाह जारी की है। मुख्य विवाह समारोह होगा जबकि आशीर्वाद (शुभ आशीर्वाद) और 14 जुलाई को रिसेप्शन के लिए रखे गए हैं। आयोजन स्थल के आसपास के क्षेत्र में यातायात पहले से ही धीमा हो गया है, जिसे सजावटी झालरों और लाल फूलों से सजाया जा रहा है। मुंबई में अंबानी की 27 मंजिला हवेली एंटीलिया के बाहर पेड़ों को सजाने के लिए गेंदे के फूल और

चमकदार पीली रोशनी का भी इस्तेमाल किया गया है।

होटल के किराए में सामान्य दिनों से 25 से 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी को देखते हुए मुंबई के लग्जरी होटलों के कमरों की कीमतें आसमान छू रही हैं। सामान्य दिनों की तुलना में इन कमरों की कीमतें 25 से 30 प्रतिशत बढ़ी हैं। हॉस्पिटैलेटी विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के हाई प्रोफाइल इवेंट अथवा शादियों में होटल के कमरों की कीमतें अनुमान से अधिक हो जाती हैं। मुंबई के फोर सीजन पांच सितारा होटल के प्रेसिडेंशियल सुट ही उपलब्ध हैं जिनकी कीमत 5 लाख रुपये है। इसमें 90 हजार रुपये का टैक्स शामिल है। सामान्य दिनों में इस सूट की कीमत 60 हजार रुपये के आसपास होती है।

11 जुलाई को बीकेसी के साफिटेल में एक रात के लिए 66,434 रुपए के लिए रूम उपलब्ध हैं। नरीमन पॉइंट के ट्राइडेंट में 11 जुलाई के लिए 36,875 रुपये है जो सामान्य दिनों में 20 हजार रुपए प्रति रात के लिए उपलब्ध होता है। वहीं आईटीसी ग्रैंड सेंट्रल 25,370 रुपये प्रति रात के लिए उपलब्ध है, जो सामन्य दिनों में 10 से 15 हजा रुपए एक रात का होता है। इसी तरह ओबेरॉय 63,130 रुपये में उपलब्ध है। मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हॉलिडे इन में एक कमरे की कीमत 25,699 रुपये है, जो सामान्य दिनों इनकी कीमतें एक दिन के लिए 10 से 15 हजार रुपये होती हैं। जानकारों का कहना है कि दरें इस वजह से बढ़ जाती हैं क्योंकि उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए उतने लग्जरी होटल नहीं हैं। हाई प्रोफाइल मेहमानों के आने की वजह से सुइट्स की मांग बढ़ गई है। दूसरा सुरक्षा के इंतजामों में भी होटल्स की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। मौजूदा समय में इस सप्ताह के लिए सभी सीटें और रूम बुक हो चुके हैं। उम्मीद है कि 20 जुलाई के बाद यह दरें सामान्य हो जाएंगी।

बता दें कि 5 जुलाई से ही शादी को लेकर प्रोग्राम चल रहे हैं। इससे पलहे के समाहरों में पहली प्री-वेडिंग जामनगर में शुरू हुई। फिर दूसरी प्री-वेडिंग इटली और फ्रांस में हुई और क्रूज पर काफी देर तक जश्न चलता रहा। पहले प्री-वेडिंग इवेंट में 1,200 मेहमानों में मार्क जुकरबर्ग भी शामिल थे और मई में अंबानी परिवार ने बॉलीवुड सितारों और क्रिकेटरों सहित 800 मेहमानों के लिए प्री-वेडिंग लक्जरी यूरोपीय क्रूज़ पार्टी का आयोजन किया था। अब पिछले दो हफ्तों से मुंबई में कई इवेंट चल रहे हैं, समारोह में, जस्टिन बीबर, रिहाना, कैटी पेरी और बॉय बैंड बैकस्ट्रीट बॉयज जैसे वैश्विक कलाकारों ने सेलिब्रिटी मेहमानों के लिए अपने प्रोग्राम पेश किए, इसमें बॉलीवुट के अभिनेताओं ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

क्रेजिकोवा और पाओलिनी में होगा महिला एकल का खिताबी मुकाबला

विंबलडन।
वर्ष के तीसरे ग्रैंड स्लैम विम्बलडन के महिला एकल का खिताबी मुकाबला चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिकोवा और इटली की जैस्मीन पाओलिनी के बीच खेला जाएगा। 2021 में फ्रेंच ओपन खिताब जीतकर सफलता हासिल करने के तीन साल बाद, क्रेजिकोवा ने पहला सेट हारने के बाद जोरदार वापसी करते हुए रोमांचक सेमीफाइनल में जीत के बाद अपने दूसरे ग्रैंड स्लैम एकल फाइनल में प्रवेश किया। नंबर 31 सीड क्रेजिकोवा ने दूसरे सेमीफाइनल में नंबर 4 सीड एलेना रिबाकिना, 2022 विंबलडन चैंपियन, को 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर शिखर मुकाबले में अपना स्थान पक्का कर लिया। क्रेजिकोवा को मैच का रुख बदलने और सेंटर कोर्ट पर जीत हासिल करने में 2 घंटे और 7 मिनट का समय लगा और अब उनका सामना इटली की जैस्मीन पाओलिनी से होगा, जिन्होंने पहले दिन में क्रोएशिया की डोना वेकिच पर कड़ी टक्कर में जीत हासिल की थी। नंबर 7 सीड पाओलिनी ने वेकिच को 2 घंटे और 51 मिनट में 2-6, 6-4, 7-6(8) से हराया और ओपन युग में विंबलडन के फाइनल में पहुंचने वाली पहली इतालवी महिला बन गईं। अपनी कम वरीयता के बावजूद, क्रेजिकोवा रिबाकिना के खिलाफ 2-0 की बढ़त के साथ मैच में आई और उसने उस रिकॉर्ड का समर्थन किया। अपने तीन मुकाबलों में तीसरी बार, क्रेजिकोवा जीत की राह पर आगे बढ़ने से पहले पहला सेट हार गई। क्रेजिकोवा ने कजाकिस्तान की रिबाकिना को एक अत्यंत दुर्लभ विंबलडन हार दी। रिबाकिना ने विंबलडन के मुख्य ड्रा में 90.5 प्रतिशत जीत दर साथ मैच में प्रवेश किया, जो ओपन युग में पूर्व चैंपियन एन जोन्स और स्टेफी ग्राफ के बाद तीसरा सर्वश्रेष्ठ था। क्रेजिकोवा ने इस साल विंबलडन से पहले केवल एक शीर्ष 10 खिलाड़ी का सामना किया था – ऑस्ट्रेलियन ओपन में आर्यना सबालेंका से हार – लेकिन अब वह लगातार दो शीर्ष 10 खिलाड़ियों को हराने और अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने की कोशिश करेगी। उनके सामने फ़ाइनल में उनकी प्रतिद्वंद्वी होंगी इटली की पाओलिनी जिन्होंने एक डाउन-टू-द-वायर थ्रिलर में वेकिच को हरा दिया। इटालियन 2016 में सेरेना विलियम्स के बाद एक ही वर्ष में रौलां गैरो और विंबलडन फाइनल में जगह बनाने वाली पहली खिलाड़ी हैं। क्रेजिकोवा और पाओलिनी पहले केवल एक बार भिड़े हैं, काफी समय पहले और बिल्कुल अलग स्तर पर – 2018 ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर का क्वालीफाइंग मैच, जब वे दोनों शीर्ष 100 से बाहर थीं।

क्रेजिकोवा ने वह मैच आसानी से 6-2, 6-1 से जीत लिया। पिछले कुछ वर्षों में नियमित रूप से शीर्ष 10 में रहने के बावजूद, क्रेजिकोवा का 2024 विंबलडन फाइनल में पहुंचना उनके 2021 रौलां गैरो खिताब जीतने के समान ही अप्रत्याशित था, जब वह 33वें स्थान पर एक गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी थीं। इस पूरे वर्ष बीमारियों के कारण परेशान रहने के बाद, क्रेजिकोवा 7-9 जीत-हार के रिकॉर्ड के साथ विंबलडन में आईं, जिसमें जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वार्टर फाइनल तक का सफर भी शामिल था।

न्यूज ब्रीफ

साइना नेहवाल ने कही दिल की बात बोलीं- टेनिस में बैडमिंटन से बेहतर कर सकती थी..

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपने करियर को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि बैडमिंटन खेलने की बजाए अगर वह टेनिस खेलतीं तो ज्यादा अच्छा प्रदर्शन कर सकती थीं। साइना ने अपने कौशल के दम पर दुनिया में शीर्ष रैंकिंग हासिल की थी। ऐसा करने वाली वह भारत की पहली महिला शटल बनीं थीं। वहीं, ओलंपिक पदक जीतने वाली देश की पहली महिला एथलीट भी बनीं थीं। साइना ने जताई टेनिस खेलने की इच्छा राष्ट्रपति भवन में हर स्टोरी माई स्टोरी बातचीत के दौरान साइना ने कहा, कभी-कभी मुझे लगता है कि अगर मेरे माता पिता ने मुझे टेनिस में डाला होता तो अच्छा होता। इसमें ज्यादा पैसा है और मुझे लगता है कि मैं ज्यादा ताकतवर थी। मैं टेनिस में बैडमिंटन से बेहतर कर सकती थी। युवाओं को बैडमिंटन के लिए प्रेरित करती हैं साइना साइना ने बताया कि उन्होंने कई युवाओं को बैडमिंटन खेलने के लिए प्रेरित किया, लेकिन जब उन्होंने आठ साल की उम्र में खेलना शुरू किया था तो उनके लिए कोई आदर्श नहीं था। उन्होंने कहा, जब मैंने शुरूआत की थी तो मेरे लिए कोई आदर्श नहीं था। यह कहने के लिए कोई नहीं था, मैं दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनना चाहती हूं या ओलंपिक पदक विजेता बनना चाहती हूं। मुझसे पहले मैंने किसी को बैडमिंटन में ऐसा करते नहीं देखा था। भारत के कम पदक जीतने पर जताई निराशा लंदन ओलंपिक के कांस्य के अलावा साइना ने विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य और रजत पदक जीते तथा राष्ट्रमंडल खेलों में भी कई स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने कहा, मैं हमेशा बच्चों को खेलों पर ध्यान लगाने के लिए कहती हूं। चीन 60-70 पदक जीतता है और हमें सिर्फ तीन चार पदक मिलते हैं। इतने सारे डॉक्टर और इंजीनियर होते हैं और उनके नाम अखबारों में नहीं आते।

पाकिस्तान के खिलाफ महिला एशिया कप मैच के लिए तैयार हरमनप्रीत कौर

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ महिला एशिया कप मैच से पहले हर मैच में जीत के लिए प्रयास करने की अपनी रणनीति पर अडिग हैं।

भारत को 19 जुलाई को दांबुला में पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करनी है। भारत ने हाल ही में घरेलू वनडे सीरीज में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप किया है। उन्होंने तीन मैचों की टी20 सीरीज 1-1 से बराबर करने से पहले एकमात्र टेस्ट में 10 विकेट से जीत अपने नाम की थी। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले हरमनप्रीत ने कहा कि एक टीम के तौर पर उन्हें मुकाबले के अन्य मापदंडों के बजाय अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। हरमनप्रीत ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, जब आप पाकिस्तान के खिलाफ खेलते हैं, तो दोनों देशों में अलग-अलग माहौल होता है। दोनों देश चाहते हैं कि उनकी टीम जीते। एक खिलाड़ी के तौर पर हम पर बहुत दबाव होता है। लेकिन एक लीडर के तौर पर मेरी जिम्मेदारी है कि मैं अपनी टीम को उस माहौल में हल्का महसूस कराऊं, ताकि उन्हें ऐसा न लगे कि हम पाकिस्तान के खिलाफ खेल रहे हैं या यह दबाव वाला मैच है। मेरे लिए यह महत्वपूर्ण होगा कि मैं सभी को यह महसूस कराऊं कि यह भी एक आम मैच है।

अपने चौथे ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं मनप्रीत

बेंगलुरू । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह इस बार अपना चौथा ओलंपिक खेलने जा रहे हैं। मनप्रीत के अनुसार उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह यहां तक पहुंचेंगे और चौथा ओलंपिक खेलेंगे क्योंकि सभी का सपना ओलंपिक खेलने का रहता है।

साथ ही कहा कि हर खिलाड़ी का सपना होता है ओलंपिक खेलना और पदक जीतना। इसलिए मैं अपने को खुशकिस्मत समझता हूं जो मुझे इसमें खेलने का अवसर मिल रहा है। इस अनुभवी मिडफील्डर ने कहा, 'मैं यह सोचकर जा रहा हूं कि ये मेरा आखिरी ओलंपिक है और मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। एशियाई खेल 2014 और 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे मनप्रीत ने भारत के लिये 370 मैचों में 27 गोल दागे हैं। वह टोक्यो ओलंपिक में भारतीय दल के ध्वजवाहक भी रहे थे। ओलंपियन परगट सिंह को अपना आदर्श मानने वाले मनप्रीत ने कहा कि तोक्यो से पेरिस तक टीम की तैयारियों में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। साथ ही कहा कि हम अपने अनुभव पांचों नए खिलाड़ियों से बांट रहे हैं।

पहले टेस्ट के दूसरे दिन वेस्टइंडीज हार की कगार पर

दूसरी पारी में 6 विकेट खोए, इंग्लैंड से 171 रन पीछे; रुट, ब्रूक और स्मिथ की फिफ्टी

नई दिल्ली ।
इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज पर 250 रन की बढ़त ले ली है। पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद दूसरी पारी खेलने उतरी वेस्टइंडीज ने 6 विकेट खोकर 79 रन बना लिए हैं। अभी भी वो इंग्लैंड से 171 रन पीछे हैं।

इंग्लैंड ने अपने कल के स्कोर 189 रन से आगे खेलना शुरू किया और उनकी पूरी पारी 371 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड की तरफ से जो रुट, हैरी ब्रूक और जेमी स्मिथ ने हाफसेंचुरी लगाई। वेस्टइंडीज की तरफ से जेडेन सील्स ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। उनके अलावा गुडाकेश मोती और जेसन होल्डर को 2-2 विकेट मिले। दूसरी इनिंग में वेस्टइंडीज की खराब शुरुआत पहली पारी में इंग्लैंड ने 250 रन की बढ़त हासिल की। जिसे उतारने उतरी वेस्टइंडीज की टीम की शुरुआत खराब रही उन्होंने 37 रन पर 4 विकेट गवां दिए। पारी के 9वें ओवर में अपने करियर का आखिरी मैच खेल रहे एंडरसन ने अपने विंटेज स्टाइल में कप्तान क्रेग ब्रेथवेट को क्लीन बोल्ड कर दिया। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने शानदार गेंदबाजी की और 2 विकेट लिए। उन्होंने डेब्यूटेंट माइकल लुइस और किर्क मैकंजी को आउट किया। पहले इनिंग में 7 विकेट लेने वाले गस एटिंकसन ने कवेम हॉज को 4 रन पर बोल्ड किया। दूसरी पारी में एंडरसन ने अपना दूसरा विकेट एलिक एथनाजे को आउट करके लिया। एंडरसन, गस एटिंकसन और कप्तान बेन स्टोक्स के सामने वेस्टइंडीज के प्लेयर्स टिक नहीं पाए। वेस्टइंडीज के अब तक 6 विकेट गिर चुके हैं।

ब्रूक की हाफ सेंचुरी

ब्रूक ने कल के 25 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। शानदार बल्लेबाजी करते हुए ब्रूक ने फिफ्टी लगाई। उन्होंने 64 बॉल पर 50 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 5 चौका और 1 सिक्स लगाया। हालांकि वो अपनी पारी को ज्यादा आगे नहीं ले जा पाए और 50 रन पर उन्हें अलजारी जोसेफ ने कीपर डा सिल्वा के हाथों कैच आउट कराया।

जो रूट की फिफ्टी

ब्रूक और जो रूट ने इंग्लैंड पारी को मजबूती दी। दोनों ने मिलकर 120 बॉल पर 91 रन की साझेदारी की। जो रूट ने शानदार फिफ्टी लगाते हुए 114 बॉल 68 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 7 चौके लगाए। उन्हें गुडाकेश मोती ने बोल्ड किया।

डेब्यू पर जेमी स्मिथ के 70 रन

अपने करियर का पहला मैच खेल रहे इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने अपनी पहली फिफ्टी लगाई। उन्होंने 70 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 8 चौके और 2 सिक्स लगाए। उन्हें जेडेन सील्स ने अपना चौथा शिकार बनाया।

गुड़ाकेश मोती के 2 बोल्ड

मोती ने इंग्लैंड की पहली इनिंग में 2 दिग्गज बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। सबसे पहले उन्होंने कप्तान बेन स्टोक्स को 4 रन पर बोल्ड किया। उसके बाद शानदार बल्लेबाजी कर रहे जो रूट को 68 रन पर आउट करके वेस्टइंडीज को मैच मे बनाए रखा।

जेडेन सील्स के 4 विकेट

जेडेन सील्स ने दूसरे दिन 2 विकेट लिए। उन्होंने पहले दिन के आखिरी सेशन में बेन डकेट और जैक क्रॉली को आउट किया था। उन्होंने पहले जेमी स्मिथ और क्रिस वोक्स के बीच की साझेदारी को तोड़ा। उसके बाद सेट बल्लेबाज जेमी स्मिथ का आखिरी विकेट भी लिया। उन्होंने पहली इनिंग में कुल 4 विकेट लिए।

नडाल ने एटीपी टूर वापसी से पहले अभ्यास शुरू किया

बस्ताद।
लगभग दो दशकों के बाद, राफेल नडाल बस्ताद में वापस आ गए हैं, क्योंकि स्पैनियार्ड ने नॉर्डिया ओपन में अपने पहले अभ्यास का आनंद लिया, जहां वह अगले सप्ताह एटीपी 250 इवेंट में वाइल्ड कार्ड के रूप में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

नडाल ने एटीपी रैंकिंग में मौजूदा 31वें नंबर के अर्जेंटीना के खिलाड़ी टॉमस मार्टिन एचेवेरी को आमंत्रित किया और खिलाड़ियों ने ग्रीस में एक गहन प्रशिक्षण ब्लॉक के लिए टीम बनाई। अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने एटीपीटूर.कॉम को बताया, जिस जगह पर हम अभ्यास कर रहे हैं वह रोमांचक है... और नडाल वहां जा रहे हैं, मैं कहूंगा कि वह बहुत अच्छा खेल रहे हैं। ला प्लाटा के मूल निवासी के लिए 92-बार के टूर-स्तरीय ख़िताबधारी के साथ दिन बिताना कैसा था एचेवेरी ने कहा, मुझे उनसे चीजें पूछने, सलाह मांगने का मौका मिला, और वह हमेशा बहुत विनम्र थे, मदद कर रहे थे, प्रगति कर रहे थे, और उनके पास सभी के लिए बहुत समय था। एचेवेरी ने साथ ही कहा, ये दिन मेरे लिए एक सपने जैसे रहे हैं, वास्तव में एक अद्भुत अनुभव, सबसे ऊपर राफा के साथ समय बिताना, एक खिलाड़ी जिसे मैं तब से देख रहा हूं जब से मैंने टेनिस खेलना शुरू किया, इतिहास में सर्वश्रेष्ठ में से एक, इसलिए यह रोमांचक था। यह एक विशेषाधिकार और एक सम्मान था। नडाल अगले सप्ताह नॉर्डिया ओपन में एक्शन में होंगे। 2005 में यह प्रतियोगिता जीतने के बाद से यह एटीपी 250 में स्पैनियार्ड की पहली उपस्थिति होगी। 7-5 सीज़न का रिकॉर्ड रखते हुए, नडाल ने फ्रांस की राजधानी में ओलंपिक शुरू होने से पहले प्रतियोगिता के समय और लय की खोज जारी रखी है, जहां वह एकल में खेलेंगे और युगल में कार्लोस अल्काराज के साथ भागीदारी करेंगे। 38 वर्षीय नडाल, जिन्होंने कहा है कि 2024 उनके करियर का अंतिम सीज़न हो सकता है, 27 मई को रौलां गैरो के पहले दौर में अलेक्जेंडर ज्वेरेव से हार के बाद अपना पहला प्रतिस्पर्धी मैच खेलेंगे। सीज़न में अब तक उनका स्कोर 7-5 है, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ परिणाम मैड्रिड में घरेलू धरती पर चौथे दौर तक पहुंचना था।

यूएफा अध्यक्ष अलेक्जेंडर सेफ़रिन ने यूरो 2024 को अब तक का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बताया

बर्लिन।
यूरोपीय चैम्पियनशिप का 2024 संस्करण पूरा होने वाला है और ओलंपियास्टेडियन में स्पेन और इंग्लैंड के बीच बहुप्रतीक्षित फाइनल से पहले, यूएफा अध्यक्ष अलेक्जेंडर सेफ़रिन ने इसकी सराहना करते हुए कहा है कि टूर्नामेंट अब तक का सबसे अच्छा यूरो रहा है।

सबकुछ अद्भुत है। मेरी राय में, यह शायद अब तक का सबसे अच्छा यूरो है। प्रशंसकों ने इसका आनंद लिया, और हमारे साथ उनके साथ कोई बड़ी घटना नहीं हुई। हमने शीर्ष टीमों के साथ शानदार फुटबॉल देखा है। एकमात्र मुद्दा मौसम था – कभी-कभी यह अच्छा था, कभी-कभी उतना नहीं, लेकिन कुल मिलाकर, यह एक शानदार टूर्नामेंट है।

2024 यूरोपीय चैंपियनशिप में पिछले दो महीनों के दौरान 114 गोल हुए हैं, प्रति मैच औसतन 2.29 गोल हुए और हर 39 मिनट में एक गोल हुआ।

वर्तमान में छह खिलाड़ी हैं जो गोल्डन बूट पुरस्कार के लिए बराबरी पर हैं जैसे दानी ओल्मो (स्पेन), हैरी केन (इंग्लैंड), जमाल मुसियाला (जर्मनी), कोडी गाकपो (नीदरलैंड)। इवान श्रांज़ (स्लोवाकिया) और जॉर्जेस मिकाउताद्ज़े (जॉर्जिया)। उनमें से केवल दो ही प्रतियोगिता में बचे हैं। यूएफा अध्यक्ष ने उन टीमों के नाम बताए जिन्होंने टूर्नामेंट में प्रभाव डाला है और सुझाव दिया कि निचली रैंकिंग वाली टीमों के बीच अंतर करीब आ रहा है।

उन्होंने आगे कहा, अब तक उन्होंने जो दिखाया है, उससे पता चलता है कि स्पेनिश टीम प्रभावशाली रही है। फ्रांस, इंग्लैंड और जर्मनी जैसी अन्य टीमों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। मैं स्लोवाकिया, जॉर्जिया और निश्चित रूप से मेरी स्लोवेनिया जैसी छोटी टीमों से प्रभावित हुआ, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। मुझे बहुत गर्व है।

पेरिस पैरालम्पिक खेलों में शरणार्थी दल की मौजूदगी पर आया अध्यक्ष ऐंड्र्यू का बयान, कही यह बात

नई दिल्ली ।
शरणार्थी पैरालम्पिक खिलाड़ियों का दल, दुनियाभर में 12 करोड़ जबरन विस्थापितों और 1.2 अरब विकलांगजन का प्रतिनिधित्व करेगा। पैरालम्पिक गेम्स, विकलांगता की अवस्था में रह रहे एथलीट के लिए सबसे बड़ा खेलकूद आयोजन है, जिसे हर चार वर्ष में एक बार आयोजित किया जाता है। ये आठ एथलीट छह देशों से हैं और छह खेल स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे पैरा एथलेटिक्स, पैरा पावरलिफ्टिं, पैरा टेबल टेनिस, पैरा ताइक्वान्डो, पैरा ट्राएथलोन, व्हीलचेयर फेंसिंग। अन्तरराष्ट्रीय पैरालम्पिक समिति के अध्यक्ष ऐंड्र्यू पार्सन्स ने बताया कि वैसे तो सभी पैरालम्पिक खिलाड़ियों के पास सहनसक्षमता के अविश्वसनीय अनुभव हैं। मगर, शरणार्थियों के तौर पर युद्ध व उत्पीड़न से होकर गुजरना और फिर उनका पैरालम्पिक खेलों तक पहुंच कर स्पर्धाओं में हिस्सा लेना, बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि इन एथलीट्स ने पेरिस 2024 तक पहुँचने के लिए अविश्वसनीय दृढ़ता व संकल्प का परिचय दिया है और इनसे विश्व में हर शरणार्थी को उम्मीद मिलेगी। शरणार्थी पैरालम्पिक टीम, खेलकूद के रूपान्तरकारी असर को रेखांकित करती है। सपने देखना मत छोड़ो ऐमिलियो कास्त्रो ग्रुएसो अब इटली में रहते हैं और पेरिस 2024 में व्हीलचेयर फेसिंग में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। जब वो 16 वर्ष के थे, तो उनकी मां का निधन हो गया। चार साल बाद उन्हें एक और यंत्रणा से गुजरना पड़ा जब एक सड़क हादसे में उनके पांव निष्क्रिय हो गए। धमकियों व खतरों की वजह से उन्हें अपनी मातृभूमि छोड़कर भागना पड़ा। वे एक नए देश में एक व्हीलचेयर में पहुंचे, और उन्हें स्थानीय भाषा नहीं आती थी और ना ही उनकी मदद करने के लिए कोई था। अपने जीवन को फिर से पटरी पर लाने के बाद, उन्होंने अपनी कहानी साझा करने के लिए एक किताब लिखने की ठानी, मगर यह महसूस किया कि यदि वे एक पदक जीतने वाले एथलीट होते तो शायद अधिक संख्या में लोग उनकी किताब पढ़ते। ऐमिलियो कास्त्रो ग्रुएसो ने अपनी अब तक सबसे बड़ी उपलब्धि के तौर पर, मई 2024 में ब्राजील में अमेरिकी चैम्पियनशिप में व्हीलचेयर फ़ेंसिंग में कांस्य पदक जीता। उनके अनुभव ने दर्शाया है कि विकट हालात व कठिनाइयों के बावजूद, जीवन का सबसे अहम सबक है कि हमें कभी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। उन्होंने कहा, कभी सपने देखना मत छोड़िए और भले ही आपका जीवन या कोई क्षण कितना ही कठिन क्यों ना हो, हिम्मत ना हारें, और लड़ाई जारी रखें। 'हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत' अन्य शरणार्थी एथलीट में सीरिया के इब्राहिम अल हुसैन भी हैं। सीरिया में गृहयुद्ध के दौरान 2012 में अपने मित्र को बचाते समय एक विस्फोट में उन्होंने अपना पांव खो दिया। उसके बाद वो एक व्हीलचेयर में ग्रीस चले गए, मगर उनकी जेब खाली थी। इसके बाद उन्होंने एक लम्बा सफर तय किया और यह तीसरी बार है जब इब्राहिम अल हुसैन शरणार्थी पैरालम्पिक टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। वहीं, कैमरून के गिलॉम जूनियर अतनगाना दूसरी बार पैरालम्पिक खेलों की तैयारी में जुटे हैं। इससे पहले, टोक्यो 2020 में 400 मीटर दौड़ में चौथे स्थान पर आए थे। वह एक बड़े फुटबॉलर बनना चाहते थे, लेकिन अपनी नजरें खो देने के बाद वह एथलीट बनने की दिशा में मुड़ गए। इस साल, वह अपने गाइड और साथी शरणार्थी डोनार्ड न्दिम न्यामुजा के साथ खड़ें होंगे।

भारतीय तीरंदाजों को पहले पदक की आस, लिंबा राम से लेकर दीपिका कुमारी तक की कोशिश रही है विफल

नई दिल्ली ।
पेरिस ओलंपिक का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और अन्य भारतीय खिलाड़ियों की तरह ही तीरंदाजों ने भी इसके लिए कमर कस ली है। दिलचस्प बात यह है कि भारत को कभी भी तीरंदाजी में ओलंपिक पदक नहीं मिला है और तीरंदाजों की कोशिश रहेगी कि 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक में वह पदक का सूखा समाप्त करे। भारत ने पेरिस खेलों के लिए पुरुष और महिला मिलाकर छह तीरंदाजों की टीम चुनी है।

ओलंपिक पदक के लिए तीरंदाजों को मिला आपसी जुड़ाव का मंत्र

ओलंपिक पदक का सूखा खत्म करने के लिए भारतीय तीरंदाजों को इस बार आपसी जुड़ाव का विशेष मंत्र दिया गया है। तीरंदाज न सिर्फ साथ खा रहे हैं, बल्कि साथ में आना-जाना कर रहे हैं। उन पर किसी भी तरह की नकारात्मक बात करने की पूरी तरह से पाबंदी है। यही नहीं, फ्रांस रवानगी से पूर्व पुणे में तीरंदाजों को उसी अंदाज में तैयारी कराई गई, जिस तरह उन्हें पेरिस ओलंपिक में तीरंदाजी करनी है। पुणे में 10 दिन तक टीम ने जिस तरह पेरिस में मुकाबले होने हैं, उसी तरह तैयारी की। उन्हें पोडियम पर तीरंदाजी कराई गई। दर्शकों का शोर, माइक पर आवाज, बड़ी स्क्रीन पर पिक्चर, इन सबके बीच तीरंदाजों ने 10 दिन तक तैयारी की है।

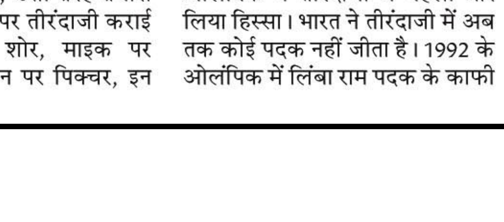

कैसा रहा है भारतीय तीरंदाजों का इतिहास

भारत ने 1988 के सियोल ओलंपिक में तीरंदाजी में पहली बार लिया हिस्सा। भारत ने तीरंदाजी में अब तक कोई पदक नहीं जीता है। 1992 के ओलंपिक में लिंबा राम पदक के काफी करीब पहुंच गए थे, लेकिन कांस्य पदक से चूक गए थे। तीरंदाजों को 24 बार साई ने विदेशी टूर्नामेंटों और तैयारियों के लिए भेजा, जिस पर 10.74 करोड़ का खर्च आया। साथ ही साढ़े छह करोड़ की लागत से 217 दिन के 41 बार राष्ट्रीय शिविर लगाए गए।

दीपिका-तरुणदीप सबसे अनुभवी

भारतीय तीरंदाजी दल में दीपिका कुमार और तरुणदीप राय सबसे अनुभवी हैं जो चौथी बार ओलंपिक में हिस्सा लेंगे। दीपिका 2012 लंदन ओलंपिक से लगातार इन खेलों में हिस्सा ले रही हैं, जबकि तरुणदीप ने 2004 एथेंस ओलंपिक से डेब्यू किया था और फिर 2012 तथा टोक्यो 2020 में भी शामिल रहे थे। प्रवीण जाधव ने टोक्यो 2020 से डेब्यू किया था और यह उनका दूसरा ओलंपिक होगा। पुरुष व्यक्तिगत वर्ग में कोटा हासिल करने वाले धीरज बोम्मादेवारा, महिला व्यक्तिगत वर्ग में कोटा हासिल करने वाली भजन कौर और अंकिता भकत ओलंपिक में पदार्पण करेंगे।

दीपिका पदक की प्रबल दावेदार

भारतीय तीरंदाजी टीम में दीपिका कुमारी पदक लाने की दावेदार हैं जिन्होंने करीब एक दशक से प्रभावित किया है। भारत की इस अनुभवी तीरंदाज ने विश्व चैंपियनशिप, विश्व कप, एशियन चैंपियनशिप, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीता है। हालांकि, वह अब तक ओलंपिक पदक नहीं जीत सकी हैं। दीपिका शीर्ष रैंकिंग के साथ लंदन ओलंपिक में गई थीं, लेकिन प्रभावित करने में नाकाम रही थीं। रियो ओलंपिक में भी उनका प्रदर्शन खास अच्छा नहीं रहा था और उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा था।

टोक्यो ओलंपिक में दीपिका का कैसा रहा था प्रदर्शन

दीपिका ने टोक्यो ओलंपिक में भी विश्व की नंबर एक तीरंदाज के तौर पर जगह बनाई थी और भारत की तरफ से एकमात्र महिला तीरंदाज थीं। उन्होंने महिला व्यक्तिगत रिकर्व और प्रवीण जाधव के साथ मिक्स्ड टीम इवेंट में हिस्सा लिया था। महिला वर्ग में दीपिका ने अपने पिछले दो ओलंपिक से बेहतर प्रदर्शन किया था और वह पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं। हालांकि, उनका सफर अंतिम आठ में ही समाप्त हो गया था। वहीं, मिक्स्ड टीम इवेंट में भी वह क्वार्टर फाइनल की बाधा पार नहीं कर सकी थीं।

कहीं भी हो सकते हैं मुंहासे...

मुंहासे हमारे शरीर के किसी भी भाग में हो सकते हैं, यहां तक कि सिर की त्वचा पर भी। सिर की त्वचा में मुंहासों की समस्या होने के बहुत से कारण होते हैं जैसे कि हार्मोन्स में असंतुलन, अस्वास्थ्यकर आहार, अस्वच्छता, एलर्जिक रिएक्शन आदि। आज हम आपको सिर की त्वचा पर आने वाले मुंहासों से तुरंत छुटकारा पाने के तरीके बताएंगे। टी ट्री ऑइल एक एंटीसेप्टिक और कीटाणु नाशक की तरह काम करते है। ऑलिव ऑयल और टी ट्री ऑयल को एक साथ मिला कर सिर पर लगाने से मुंहासें पैदा करने वाले कीटाणु मर जाते हैं। विनेगर और पानी को मिलाकर बालों में 20 मिनट लगाने से मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया और तेल को साफ किया जा सकता है। 20 मिनट बाद आप बालों को धो लें। मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए हल्दी पाउडर तथा नारियल के तेल को मिलाएं। इसे सिर पर मुंहासों वाली जगह पर लगाएं और बाद में गुनगुने पानी से धो डालें। एलोवेरा बहुत ही चमत्कारी है। इसे मुंहासों वाली जगह पर लगा कर कुछ देर तक सूखने दें। इसे दिन में कम से कम दो-तीन बार लगाएं। नीम में एंटीसेप्टिक और एंटीबायोटिक गुण होते हैं जिसके कारण यह मुंहासों के उपचार में काफी प्रभावी होता है। इसके लिए पानी में कुछ पत्तियों को उबाल लें और पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को रोज मुंहासे पर लगाने से मुंहासे जल्दी सुख जाते है। सिर की त्वचा पर 10 मिनट टमाटर का ताजा रस लगाने से मुंहासों को दूर किया जा सकता है। इसमें सैलिसिलिक एसिड होता है।10 मिनट बाद में पानी से धो लें। इसे त्वचा पर ज्यादा देर तक न लगा रहने दें। शहद मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया को रोकता है। इसे 10 मिनट मुंहासों पर लगा और पानी से धो दें। इसे दिन में कम से कम एक बार जरूर करें।

थ्रेडिंग के बाद पिंपल्स से छुटकारा

आजकल ज्यादातर महिलाएं खूबसूरत दिखने के लिए अपने चेहरे से अनचाहे बालों को हटाने के लिए थ्रेडिंग करवाती हैं। हर तरह की त्वचा पर थ्रेडिंग हो सकती है फिर चाहें आपकी त्वचा संवदेनशील हो या नहीं। पर अक्सर देखा जाता है कि ज्यादातर महिलाओं को थ्रेडिंग करवाने के बाद में दाने, पिंपल्स हो जाते हैं। इसलिए आज हम आपको थ्रेडिंग के बाद होने वाले पिंपल्स से छुटकारा पाने के लिए कुछ आसान से टिप्स देगें। थ्रेडिंग करवाने से पहले अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धों लें। ऐसा करने से थ्रेडिंग के समय दर्द कम होता है। चेहरे को कॉटन के कपड़े से हल्के हाथों से पोंछ न कि रगड़कर पोंछें। अगर आप रगड़ कर कर पोंछेगे तो त्वचा ड्राई हो जाती है। अगर आपने घर पर ही टोनर बनाया हुआ है तो उसे चेहरे को हल्का नम कर दें। अगर आपके चेहरे पर दाने निकले हुए है तो उन पर जड़ी बूटी से बना टोनर ही लगाएं या फिर घर में बनी दालचीनी की चाय को टोनर के रूप में लगा सकती हैं। यह सब करने के बाद ही आप पार्लर में जाकर थ्रेडिंग करवाएं। जलन और संक्रमण से बचने के लिए अपनी आईब्रो पर बर्फ लगाएं। चेहरे को हमेशा गुलाब जल से ही धोएं। इसे लगाने से आपकी आईब्रो पर लगे कट, दाने व पिंपल ठीक हो जाते है। ध्यान में रखें कि आप जब भी थ्रेडिंग करवाकर आए तो थ्रेड़िंग वाले हिस्से को न छुएं। थ्रेडिंग करवाने के बाद कम से कम 12 घंटे की अवधि के दौरान एसिड की मौजूदगी वाले सुगांधित कॉस्मेटिक उत्पाद जैसे क्लींजर और मॉश्चराइजर न लगाएं।

184 सालों में पहली बार नहाया ये कछुआ...

दुनिया का सबसे पुराने जिंदा जीव के तौर पर पहचान रखने वाले जोनाथन ने 184 सालों में पहली बार नहाया है। उसका ये स्नान तो जानकारी में है, जो पहली बार है। उसने 184 सालों से पहले कभी नहाया हो, तो उसका रिकॉर्ड नहीं। ये जोनाथन दरअसल दुनिया का सबसे पुराना जीवित जीव है। जो एक विशालकाय कछुआ है। ये कछुआ सेंट हेलेना द्वीप पर रहता है। जिसकी सारी जिम्मेदारी सरकार उठाती है। सेंट हेलेना सरकार की तरफ वीडियो में जोनाथन को नहाते दिखाया गया है। सरकार ने इसे ऐतिहासिक पल करार देते हुए सभी सेंट हेलेना वासियों को उसे नहाते देखने के लिए आमंत्रित किया था। जोनाथन की देखरेख करने का जिम्मा संभालने वाले हॉलिंस का कहना है कि हम चाहते थे कि लोग आएं और जो लोग उससे मोहब्बत करते हैं, वो उसे महसूस करें। वो बहुत प्यारा है। हॉलिंस ने कहा कि मैं जब कुछ बोलता हूं, तो जोनाथन अलग ही आवाज में मुझे जवाब देता है। जोनाथन के साथ मेरी ट्यूनिंग बेहतरीन है। मैं हर सप्ताह उसकी जांच करता हूं और साफ सब्जियों की डाइट देता हूं। जोनाथन की देखरेख की इसलिए भी जरूरत है, क्योंकि वो दुनिया का सबसे उम्रदराज जीव है। मैं जोनाथन की देखरेख का जिम्मा पाकर खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं ।

ब्रेस्टफीडिंग

कराने से होते हैं ये फायदे

मां के दूध में बच्चे के लिए सभी जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। मां का दूध बच्चे के लिए संपूर्ण आहार कहा जाता है। छः महीने तक शिशु शरीर की सारी जरूरतें इससे पूरी हो जाती है। जिन शिशुओं को मां का दूध दिया जाता है, वे अन्य शिशुओं के मुकाबले कम बीमार पड़ते हैं। इतना ही नहीं ब्रेस्टफीडिंग सिर्फ आपके शिशु के लिए ही नहीं बल्कि आपके लिए भी फायदेमंद है। स्तनपान कराने वाली महिलाएं रोगमुक्त रहती हैं।

संक्रमण से बचाव

ब्रेस्टफीडिंग से शिशुओं में सांस संबंधी समस्या व कान के संक्रमण जैसी समस्याओं से रक्षा होती है। इसके अलावा यह बच्चों में मधुमेह एवं श्वेत रक्तता, और अन्य एलर्जी जैसे दमा और एक्जिमा के खतरे को कम करता है।

शिशुओं के वजन में बढ़ोत्तरी

ब्रेस्टफीडिंग समय से पहले जन्में शिशुओं की सेहत में सुधार करता है। अक्सर ऐसा देखा जाता है कि समय से पहले पैदा होने वाले बच्चों का वजन काफी कम होता है। ब्रेस्टफीडिंग के जरिए शिशुओं के वजन में बढ़ोत्तरी की जा सकती है।

वसा निर्माण को उत्प्रेरित करता है

ब्रेस्टफीडिंग से शिशुओं को बचपन में होने वाले मोटापे के खतरे को कम किया जा सकता है। बाहरी दूध की तुलना में मां के दूध में इन्सुलिन काफी कम होता है (इन्सुलिन वसा निर्माण को उत्प्रेरित करता है)।

स्वस्थ आदतों का विकास

स्तनपान करने वाले शिशु अपने भोजन को नियमित रूप से लेने में, और जैसे-जैसे उनका शारीरिक विकास होता है वैसे-वैसे स्वस्थ आदतों को विकसित करने में भी अधिक कुशल होते है।

दिमाग का विकास

मां के दूध में कई ऐसे तत्व होते हैं जो शिशु के दिमाग के विकास के लिए जरूरी है। शोध में भी यह बात साबित हो चुकी है कि स्तनपान करने वाले शिशु बुद्धिमान होते हैं।

शरीर का तापमान होता है सामान्य

शिशु के जन्म के पहले कुछ हफ्तों में, अधिकांश शिशुओं को अपने शरीर के तापमान को सामान्य बनाने में कठिनाई होती है। स्तनपान आपके शिशु की उसके शरीर का तापमान सामान्य रखने में मदद करता है। उसे गर्म रखने के अलावा,त्वचा का त्वचा से स्पर्श आपके और आपके शिशु के बीच मजबूत भावनात्मक बंधन को भी बढ़ाता है।

तकलीफ के कम लक्षणों का प्रकट होना

मां के दूध के फायदों के बारे में विशेषज्ञों ने पता लगाया है कि जिन शिशुओं को टीकाकरण से ठीक पहले अथवा बाद में स्तनपान कराया जाता है, उनमें तकलीफ के कम लक्षण प्रकट होते हैं।

वजन मां का भी कम होता है

स्तनपान कराने वाली महिलाएं अधिक कैलोरी को इस्तेमाल करती हैं जिसकी वजह से उनका वजन बढ़ जाता है। लेकिन प्राकृतिक ढंग से वजन को कम करने और मोटापे से बचने का यह कारगर तरीका है।

तनावमुक्त करने में मददगार

जब शिशु की तबीयत ठीक नहीं होती या वो बैचेनी महसूस करता है तो स्तनपान कराने से उसे आराम मिलता है। स्तनपान शिशु का रोना कम करने, और आपको तनावमुक्त करने में मदद करता है।

कैंसर का खतरा कम

स्तनपान करानेवाली माताओं को स्तन या गर्भाशय के कैंसर का खतरा कम होता है। स्तनपान एक प्राकृतिक गर्भनिरोधक है।

इस तरह से ब्रेस्टफीडिंग कराना बच्चे के साथ-साथ मां के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

पौधा एक फायदे अनेक

***अश्वगंधा** एक झाड़ीदार रोमयुक्त पौधा है। अश्वगंधा कहने को एक पौधा है, लेकिन यह बहुवर्षीय पौधा पौष्टिक जड़ों से युक्त है। अश्वगंधा के बीज, फल एवं छाल का विभिन्न रोगों के उपचार में प्रयोग किया जाता है। अश्वगंधा के पौधे में ऐसे औषधीय गुण होते हैं जो वजन घटाने, लकवा आदि से लड़ने में आपकी मदद करते हैं। ये पौधा बुखार, संक्रमण और सूजन आदि शारीरिक समस्याओं के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। इसमें हार्ट अटैक के खतरे को कम करने की क्षमता मौजूद होती है। यह मधुमेह से ग्रसित लोगों में मोतियाबिंद जैसी समस्या पर भी लगाम लगाता है।*

निरोग करें शरीर: अश्वगंधा पौधे की पत्तियां त्वचा रोग, शरीर की सूजन एवं शरीर पर पड़े घाव और जख्म भरने जैसी समस्या से लेकर बहुत सी बीमारियों में भी बहुत उपयोगी है। अश्वगंधा के पौधे को पीसकर लेप बनाकर लगाने से शरीर की सूजन, शरीर की किसी विकृत ग्रंथि और किसी भी तरह के फुंसी-फोड़े को हटाने में काम आती है। अश्वगंधा पौधे की पत्तियों को घी, शहद पीपल इत्यादि के साथ मिलाकर सेवन करने से शरीर निरोग रहता है।

चर्म रोग से निजात

यदि किसी को चर्म रोग है तो उसके लिए भी अश्वगंधा जड़ीबूटी बहुत लाभकरी है। इसका चूर्ण बनाकर तेल से साथ लगाने से चर्म रोग से निजात पाई जा सकती है।

कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करें

आमतौर पर कैंसर की दवाएं बीमार कोशिकाओं के साथ-साथ सामान्य कोशिकाओं को भी नुकसान पहुंचाती है, जिससे अन्य रोगों के बढ़ने की संभावना हो जाती है। लेकिन कैंसर की दवाओं के साथ अश्वगंधा का सेवन करने से अदभुत फायदा देखा गया है। अश्वगंधा के प्रयोग से केवल कैंसर ग्रस्त कोशिकाएं व न्यूरान्स ही नष्ट हुए, जबकि अन्य कोशिकाओं व न्यूरान्स को कोई नुकसान नही पहुंचा।

जवां बनाए रखें

वैज्ञानिकों के अनुसार अश्वगंधा के सेवन से न केवल मनुष्य लंबी उम्र तक जवान रह सकता है बल्कि इसको शरीर की त्वचा पर लगाने से त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों से भी बचा जा सकता है।

अन्य लाभ

उच्चरक्तचाप की समस्या से पीड़ित लोग यदि अश्वगंधा के चूर्ण का दूध के साथ नियमित सेवन करेंगे तो निश्चित तौर पर उनका रक्तचाप सामान्य हो जाएगा। शरीर में कमजोरी या दुर्बलता को भी अश्वगंधा तेल से मालिश कर दूर किया जा सकता है, इतना ही नहीं गैस संबंधी समस्या में भी ये पौधा अत्यंत लाभदायक होता है। सांस संबंधी रोगों से निजात पाने के लिए अश्वगंधा के क्षार को शहद को घी के साथ मिलाकर सेवन करने से बहुत लाभ मिलता है। वृद्धावस्था में होने वाली बीमारियों को दूर करने, तरोताजा रहने और ऊर्जावान बने रहने के लिए अश्वगंधा चूर्ण को प्रतिदिन दूध के साथ लेना चाहिए।

प्याज के रस से कैसे बढ़ाएं बालों की लंबाई

प्याज घर में उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ बालों के उत्पादों में से एक है। हालांकि अक्सर लोग इसकी तीखी गंध और इसे काटने पर आंखों में आने वाले आंसू के कारण इसे पसंद नहीं करते। लेकिन क्या आप जानती हैं कि प्याज बालों की विभिन्न प्रकार की समस्याएं जैसे बालों का झड़ना और दोमुंहें बालों को दूर करने में बहुत मददगार होती है। प्याज में मौजूद सल्फर बालों की जड़ों को पोषण देता है जिससे बालों के विकास में मदद मिलती है।

इसलिए बहुत से लोग बालों की लंबाई बढ़ाने के लिए प्याज का रस लगाते हैं। प्याज में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण के कारण इसका रस बालों में लगाने से गिरते बालों को रोकने, रूसी और सिर के संक्रमण आदि को दूर करने में मदद मिलती है। यह घरेलू उपाय बालों को चमकदार और मजबूत बनाने के लिए अदभुत रूप से काम करता है। अगर आप भी अपने बालों को स्वस्थ, चमकदार और लंबे बालों की चाह रखते हैं तो प्याज के रस से बने हेयर पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्याज का रस

प्याज का रस निकालकर इसे अपने सिर की त्वचा यानी स्कैल्प पर लगाकर 25-30 मिनट के लिए छोड़ दें। साथ ही अपने सिर पर तौलिए को लपेट लें ताकी बालों के रोम इसे अवशोषित कर लें। फिर शैंपू से बालों को धो लें।

प्याज के साथ बीयर

बीयर आपके बालों को प्राकृतिक रुप से चमकदार बनाती है। प्याज के रस को बीयर में मिक्स करके लगाने से बालों की ग्रोथ होने के साथ बाल कंडीशन भी होते हैं। बाल को बढ़ाने के लिए इस उपाय को एक सप्ताह में दो बार करें।

प्याज और नारियल का तेल

तेल के साथ प्याज के रस को मिक्स करने पर यह बालों के विकास को बढ़ाता है और बालों को पोषण भी देता है। प्याज के रस को तेल के साथ मिलाकर बालों में मसाज करें। फिर एक तौलिया लपेटें और भाप लें। यह उपाय स्कैल्प से मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाता है, जिससे बालों की ग्रोथ बढ़ जाती है।

प्याज के साथ शहद

बालों के विकास के लिए यह बहुत ही प्रभावी घरेलू उपाय है। इस पैक को बनाने के लिए प्याज का पेस्ट बनाकर उसमें कुछ बूंदें शहद की मिला लें। इस पेस्ट को बालों के उस हिस्से में लगाए जहां पर बाल कम हैं।

प्याज के साथ नींबू

नींबू और प्याज के रस का प्रयोग बालों की ग्रोथ के साथ रूसी के इलाज में भी मदद करती है। नींबू का रस स्कैल्प को साफ करने के साथ बालों का झड़ना भी कम करता है।

प्याज का रस और रम

बालों के विकास के लिए प्याज के रस का प्रयोग सबसे आसान तरीका है। इसके लिए रातभर आपको रम के एक गिलास में घिसी हुई प्याज को डाल कर रखना होगा। सुबह इस मिश्रण को छान कर अपने सिर की मसाज करें। इससे आपके बालों को मजबूती मिलेगी और जल्द से जल्द बाल बढ़ने शुरु हो जाएगें।

प्याज और अंडे की सफेदी

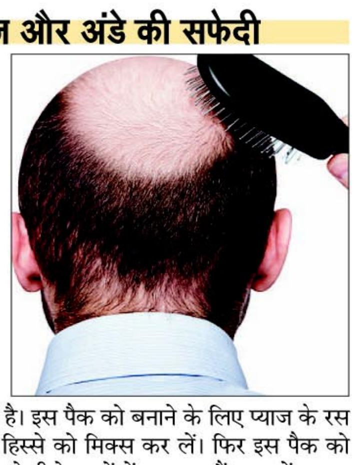

यह बात तो शायद सभी जानते हैं कि अंडा बालों के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। लंबे बालों की चाह रखने वाले लोगों के लिए प्याज और अंडे से बना हेयर पैक बहुत ही लाभकारी होता है। इस पैक को बनाने के लिए प्याज के रस में अंडे के सफेद हिस्से को मिक्स कर लें। फिर इस पैक को 25-30 मिनट अपने गीले बालों में लगाकर शैंपू कर दें। प्याज के रस से बने हेयर पैक के इस्तेमाल से आप आसानी से बालों को लंबा, घना और चमकदार बना सकते हैं।

रेसिपी

भाटीया कड़ी

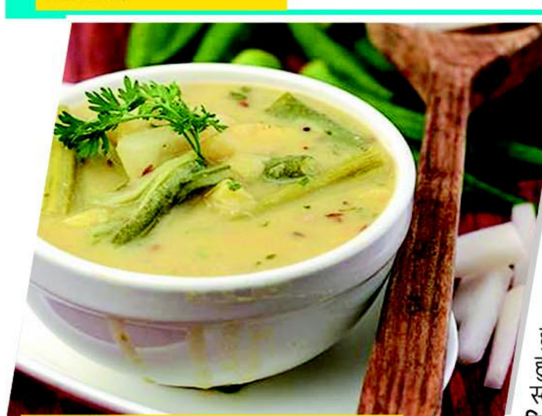

सामग्री

1 कप तुवर दाल, 1/4 कप दही, 1 टेबल-स्पून बेसन, 2 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून जीरा, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1/4 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून मेथी दानें, 1 कप भिंडी, 50 मिमी के टुकड़ो में कटी हुई, 1/4 कप स्लाईस्ड मूली, 1 1/2 कप सहजन फल्ली, 50 मिमी के टुकड़ो में कटी हुई, 3 से 4 कोकम, 10 मिनट के लिए भिगोकर छाने हुए, 4 टेबल-स्पून कटा हुआ गुड़, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप मोटे स्लाईस्ड केले, **सजाने के लिए**: 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

तुवर दाल और 5 कप पानी को एक प्रैशर कुकर में मिलाकर, 2 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढ़क्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। हल्का ठंडा कर, दाल छान लें और पानी को एक तरफ रख दें। इस व्यंजन के लिए आपको केवल पानी की आवश्यक्ता है। दही और बेसन को एक बाउल में अच्छी तरह फेंट लें। एक तरफ रख दें। एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा, सरसों, हींग और मेथी दानें डालें। जब सरसों के बीज चटकने लगे, भिंडी, मूली, सहजन फल्ली और छाना हुआ दाल का पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। ढ़क्कन से ढ़ककर, धिमी आंच पर 8-10 मिनट के लिए या सब्जीयों के नरम होने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। कोकम, गुड़, तैयार दही-बेसन का मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, धिमी आंच पर 4 से 5 मिनट के लिए पका लें। केले डालकर अच्छी तरह मिला लें और धिमी आंच पर और 2 मिनट के लिए पका लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

माठा ची भाजी

सामग्री

6 कप कटी हुई चौलाई भाजी, 1 1/2 टी-स्पून तेल, 2 टी-स्पून सरसों, 1/2 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 1/2 टेबल-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून लहसुन का पेस्ट, 1/2 कप बारीक कटे हुए प्याज, 1 कप अंकुरित मूंग, एक चुटकी शक्कर, नमक सवादअनुसार, सजाने के लिए 3 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

कढ़ाई में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और लहसुन का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भुनें। प्याज डालकर मध्यम आंच पर और मिनट या प्याज के नरम होने तक भुनें। चौलाई भाजी, अंकुरित मूंग डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भुनें। 2 कप पानी, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलायें। ढ़ककर धिमी आंच पर 15 से 20 मिनट या अंकुरित मूंग के पकने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें, जिससे सब्जी को बर्तन के नीचे चिपकने से बचाया जा सके। धनिया से सजाकर तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**